मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 08
सोमवार, 13 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पहाड़ों पर कुदरत का कहरः उत्तराखंड में 91 सड़कें बंद, कश्मीर में क्लाउडबर्स्ट, हिमाचल में भारी बारिश का अलर्ट

देहरानू/जम्मू/शिमला, 12 जुलाई। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य इस समय मानसून और प्राकृतिक आपदाओं की दोहरी मार झेल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर (घाटी) में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियां उफान पर हैं, मुख्य हाईवे से लेकर सैकड़ों लिंक रोड बंद हैं और लोग लगातार मलबे व भूस्खलन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

कश्मीरः अनंतनाग और पहलगाम में बादल फटने से तबाही, प्रशासन हाई अलर्ट पर

दक्षिण कश्मीर में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला है, जहां दो अलग-अलग प्रसिद्ध इलाकों में

अचानक बादल फटने से नदी-नालों में भयंकर सैलाब आ गया।

पहली घटना अनंतनाग जिले के चित्रगुल के ऊपरी पर्वतीय इलाकों में हुई, जिससे 'नाला आरपत चित्रगुल शांगस' में अचानक बाढ़ आ गई। इसके तुरंत बाद पर्यटन स्थल पहलगाम के 'नाला आवूरा' में भी बादल फटा, जिससे पानी का स्तर डरावनी तेजी से बढ़ गया।

होटल और पर्यटकों में अफरातफरी

मटमैले पानी के तेज बहाव को देखकर निचले इलाकों और तटों पर कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया। गनीमत रही कि पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश-विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व विभागों को पूरी तरह सतर्क मोड पर रखा गया है। संवेदनशील और निचले इलाकों में बचाव और निगरानी टीमें तैनात कर दी गई हैं।

उत्तराखंडः 91 सड़कें बंद, 11 बांध और बैराजों में पानी खतरे के निशान के पास

उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) सड़कों को खोलने की कोशिश में जुटा है, लेकिन लगातार गिरते मलबे से बाधा आ रही है। सबसे बदतर हालात पौड़ी गढ़वाल (21 मार्ग बंद) और चमोली (19 मार्ग बंद) में हैं। इसके अलावा टिहरी में 17 और पिथौरागढ़ में 10 सड़कें बंद हैं।

नदियों का बढ़ता जलस्तर

राज्य के 11 बांध और बैराजों में जल स्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी, कोटेश्वर-रुद्रप्रयाग में अलकनंदा (बदरीनाथ के पास) का जलस्तर तेजी से बढ़ा, हालांकि बाद में इसमें मामूली कमी दर्ज की गई है। ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगा का जलस्तर फिलहाल घट रहा है, लेकिन खतरा टला नहीं है। हिमाचल प्रदेशः अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनीः हिमाचल प्रदेश में भी मानसून की सक्रियता चरम पर है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में राहत की उम्मीद नहीं है।

राम मंदिर घोटाले के 26 सबूतों के साथ जाऊंगा कोर्ट : संजय सिंह

लखनऊ, 12 जुलाई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर राम मंदिर निर्माण और जमीन खरीद में हुए भ्रष्टाचार को दबाने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने की कसम खाई थी, वह अब खोखली साबित हो रही है क्योंकि एसआईटी को निर्माण कार्यों और जमीन घोटाले की जांच से ही बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में 40 प्रतिशत कमीशन खाया गया और चंदे के पैसे से करोड़ों का जमीन घोटाला किया गया। संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि चूंकि यह ट्रस्ट सीधे प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया है, इसलिए मुख्यमंत्री की हिम्मत नहीं है कि वे भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाल सकें। उन्होंने घोषणा की कि वे 26 पुख्ता दस्तावेजों के साथ कोर्ट जाएंगे ताकि प्रभु श्रीराम को लूटने वालों को कड़ी सजा मिल सके।

सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के पुराने दावों पर तंज कसते हुए कहा कि जब मंदिर में चोरी का मामला खुला था, तब मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा था कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी सबूत हैं वे एसआईटी को दिए जाएं। सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा लेकिन आज की खबरें बता रही हैं कि एसआईटी न निर्माण कार्य की जांच करेगी और न जमीन घोटाले की। यह स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने और बेईमानों को बचाने की कोशिश है।

संजय सिंह ने मंदिर निर्माण में हो रही लूट का पदार्फाश करते हुए कहा कि भगवान राम के मंदिर में 40-40 परसेंट कमीशन लिया जाना घोर पाप है। उन्होंने कहा कि यह जानकारी स्वयं इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने दी है। उन्होंने सवाल किया कि अगर निर्माण कार्य में इतना बड़ा कमीशन लिया गया है, तो उसकी जांच क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या सरकार उन बेईमानों को बचाना चाहती है जिन्होंने राम भक्तों की आस्था की कमाई पर डाका डाला है?

जमीन घोटाले के आंकड़े पेश करते हुए संजय सिंह ने बताया कि किस तरह 2 करोड़ की जमीन को महज 5 मिनट के भीतर 18.5 करोड़ में खरीदा गया। यही नहीं, नजूल की जमीन जिसे न खरीदा जा सकता है और न बेचा जा सकता है, उसे 24 करोड़ में ठिकाने लगाया गया। 9 करोड़ की जमीन 55 करोड़ में और 1.73 करोड़ की जमीन 29.67 करोड़ में खरीदी गई। ये आंकड़े चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे हैं कि राम मंदिर के नाम पर चंदे की भारी लूट हुई है। आप सांसद ने भाजपा के तत्कालीन मेयर के रिश्तेदारों द्वारा ट्रस्ट को महंगी जमीनें बेचने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं।

तमिलनाडु में पिता ने अपने दोनों बच्चों की ली जान, फिर खुद भी की आत्महत्या

चेन्नई, 12 जुलाई। तमिलनाडु के तूतुकुड़ी जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिले के पुदुकोट्टाई के पास सवेरियारपुरम में एक पिता ने अपने दो मासूम बच्चों की करंट लगाकर जान ले ली और फिर खुद भी उसी तार से करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने बताया कि अपने बच्चों की जान लेने वाला व्यक्ति अपनी पत्नी के छोड़कर चले जाने के कारण काफी परेशान था और डिप्रेशन में था, जिसके बाद उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक शख्स की पहचान 40 साल के मैरी माइकल के रूप में हुई है, जो पहले ट्रक ड्राइवर का काम करता था। वहीं उसके बच्चों की पहचान 14 साल की मैरी निरोशा और 12 साल का मैरी केनिस्टन के रूप में हुई है। दोनों बच्चे एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ते थे। पुलिस ने बताया कि लगभग छह महीने पहले माइकल की पत्नी उसे और बच्चों को छोड़कर किसी दूसरे आदमी के साथ रहने चली गई थी। इस बात से माइकल बेहद टूट चुका था। उसने ट्रक चलाना भी कम कर दिया था और कभी-कभी पेंटिंग का काम करने लगा था। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को माइकल बाजार से बच्चों के लिए खाना लेकर आया। बच्चों को खाना खिलाने के बाद उसने उन्हें सोने के लिए भेज दिया। जब बच्चे सो गए, तो माइकल ने बिजली के तारों को बच्चों के शरीर से बांध दिया और उसे सीधे पावर बोर्ड से जोड़ दिया। बच्चों की मौत होने के बाद, उसने उसी तार का इस्तेमाल कर खुद की जान भी ले ली। गौरतलब है कि माइकल के 75 साल के बुजुर्ग पिता एंथनी मुथु भी उसी घर में रहते थे, जो उस रात कमरे के बाहर सो रहे थे। शनिवार की दोपहर तक जब कमरे का दरवाजा अंदर से बंद रहा और कोई हलचल नहीं हुई, तो बुजुर्ग पिता को शक हुआ।

टीम इंडिया की शर्मनाक हार के बाद श्रेयस अय्यर की कप्तानी पर खतरा?

नई दिल्ली, 12 जुलाई। भारत के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड दौरा किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। टीम इंडिया ने 7 मुकाबले खेले और 6 में हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मैच बारिश की वजह से रद रहा। श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में टीम इंडिया के लिए अब तक एक भी मैच नहीं जीत सके हैं। ऐसे में टीम इंडिया के पूर्व कोच अभिषेक नायर ने उनकी कप्तानी को लेकर बड़ा बयान दिया है। नायर का कहना है कि अय्यर को कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है, तो इससे अफरा-तफरी मच जाएगी। उनका कहना है कि अय्यर को टीम को आगे बढ़ाने के लिए गाइडेंस की जरूरत है। नायर ने श्रेयस को कप्तान से हटाए जाने की बातों को सिरे से खारिज कर दिया। उनका मानना है कि अय्यर का कप्तान के तौर पर भविष्य खतरे में नहीं है।

जियोस्टार पर बात करते हुए नायर ने कहा, आप जब किसी को चैंपियन टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी देते हैं, तो उनसे टीम चुनने की भी आजादी देना चाहते हैं। पहली बार, जब आप टीम की कप्तानी मिलती है, तो ये कहने की आजादी नहीं मिलती कि मैं टीम को यहां ले जाना चाहता हूं। आप पहले टीम को संभालते हैं और फिर देखते हैं क्या करना है। इन दोनों सीरीज के बाद उनके पास सोचने और समझने का समय होगा कि कैसा खेलना है और उसे सपोर्ट स्टाफ से क्या चाहिए। ये कहना गलत होगा कि कप्तान के तौर पर अय्यर का भविष्य खतरे में है। नायर ने आगे कहा, ये मुश्किल सीरीज रही है और आप अय्यर पर उंगली उठा सकते हैं। ये महसूस करने दें कि ये उनकी टीम है। ठीक उसी तरह जैसे हैरी ब्रूक को अभी लगता है। बेन स्टोक्स को इंग्लैंड टेस्ट टीम के साथ। रोहित शर्मा को इंडिया या के लिए या विराट कोहली को टेस्ट टीम के साथ। शुभमन गिल भी जब, पहली बार वनडे के कप्तान बने थे, तो कुछ सीरीज नहीं जीत पाए थे। अभी शुरूआत दिन हैं और पैनिक बटल दबाने की जरूरत नहीं है। अय्यर की कप्तानी में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में 4-0 से हार मिली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश की वजह से रद हो गया था। इससे पहले आयरलैंड में भी लगातार दो मैच हारकर टीम इंडिया सीरीज हार गई थी।

राम मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में बड़ा बदलाव, नई टीमों को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

नए लोग होंगे शामिल

अयोध्या, 12 जुलाई। श्रीराम जन्मभूमि परिसर की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया जा रहा है। मंदिर परिसर में विभिन्न व्यवस्थाओं का संचालन कर रही कई समितियों के नेतृत्व में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां नए लोगों को सौंपी जाएंगी।

सूत्रों के अनुसार, धार्मिक कार्यक्रमों के संचालन, साफ-सफाई व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन, लॉकर संचालन, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, प्रसाद वितरण सहित श्रद्धालुओं से जुड़ी कई व्यवस्थाओं में बदलाव किया जा रहा है। इन व्यवस्थाओं में कार्यरत कई लोगों की जिम्मेदारियां बदली जा रही हैं और उनकी जगह नए चेहरों को अवसर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि हाल के घटनाक्रम के बाद व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की गई है। इसी के आधार पर संचालन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और उत्तरदायी बनाने के लिए समितियों का पुनर्गठन किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें और प्रत्येक व्यवस्था की स्पष्ट जवाबदेही तय हो।

कंट्रोल रूम से सूचना आदान-प्रदान करने के लिए नई टीम बनाई गई है। इसका प्रभारी गोपाल राव के करीबी सोमेश को बनाया गया है। इस व्यवस्था में उनके साथ रिटायर्ड सैन्य कर्मी के-के तिवारी को भी जोड़ा गया है। 22 जुलाई की बैठक में समितियों के संचालन के लिए नई गाइडलाइन तय हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि नई टीमों के गठन में कार्यकुशलता, अनुभव और अनुशासन को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी और समय-समय पर समीक्षा की भी नई व्यवस्था बनाई जा रही है।

अभिषेक शर्मा के नाम दर्ज हुआ बड़ा कीर्तिमान, वनडे और टेस्ट खेले बिना ही बना डाला अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टी20 मुकाबले में शनिवार को भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने मैदान पर उतरते ही इंटरनेशन क्रिकेट में अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है। जिन्होंने बिना कोई टेस्ट और वनडे खेले सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इसके साथ ही तूफानी बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर सैमुअल बद्री को पीछे छोड़ दिया है।

अब तक खेले 53 मुकाबले

अभिषेक शर्मा ने 6 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

उन्होंने अब तक 53 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

इस दौरान 52 पारियों में इस ओपनर ने 32.36 की औसत और 190.35 की स्ट्राइक रेट से 1618 रन बनाए हैं।

इस फॉर्मेट में उनके नाम 11 अर्धशतक और 2 शतक दर्ज हैं।

उनका बेस्ट स्कोर 135 रन है। इतना ही नहीं वह 19 पारियों में 7 विकेट भी ले चुके हैं।

अभिषेक ने अब तक वनडे और टेस्ट डेब्यू नहीं किया है।

बद्री ने खेले थे 52 मैच

कैरेबियाई जादुई स्पिनर सैमुअल बद्री अपने समय में वेस्टइंडीज के लिए पावरप्ले के सबसे अहम गेंदबाज हुआ करते थे। उन्होंने बिना कोई अन्य फॉर्मेट खेले अपने देश के लिए 52 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे।

इस लिस्ट में जिम्बाब्वे के ताशिंगा मुसेकिवा 41 मैचों के साथ तीसरे पायदान पर हैं। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा 30 मैचों के साथ चौथे स्थान पर हैं। टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज हर्षल पटेल 25 टी20क मैचों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। बिना अन्य फॉर्मेट खेले सर्वाधिक ळ20क खेलने वाले ए?लेयर

अभिषेक शर्मा (भारत): 53 मैच, सैमुअल बद्री (वेस्टइंडीज): 52 मैच, ताशिंगा मुसेकिवा (जिम्बाब्वे): 41 मैच, नुवान तुषारा (श्रीलंका): 30 मैच, हर्षल पटेल (भारत): 25 मैच।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुख

दुबई, 12 जुलाई। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। इस दौरान कतर को एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय ताकत बनाने में अहम भूमिका निभाई। बाद में, देश की सत्ता बेटे शेख तमीम को सौंप दी, जो अभी वहां के नेता हैं। खाड़ी देश में किसी अरब शासक द्वारा सत्ता छोड़ने का यह अपने आप में एक दुर्लभ मामला था, जिसका मकसद सत्ता का सुचारू हस्तांतरण सुनिश्चित करना था। उन्होंने खुद 1995 में बिना खून-खराबे वाले तख्तापलट के जरिए अपने पिता को सत्ता से हटाया था। शेख हमद ने अल जजीरा टेलीविजन नेटवर्क को विकसित करके और 2022 साकर वर्ल्ड कप टूर्नामेंट की मेजबानी की सफल बोली लगाकर कतर की वैश्विक पहचान को बढ़ाया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कतर के पूर्व शासक के निधन पर दुख जताया और उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने खाड़ी देश को विकास और समृद्धि के ऊंचे स्तर तक पहुंचाया। मोदी ने कहा कि भारत दिवंगत नेता को एक सच्चे दोस्त के तौर पर याद करता है। फरवरी 2024 में कतर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान उनसे मिलने का सौभाग्य मिला था।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

11वीं पुण्य तिथि

जन्मः 15-9-1948

मृत्युः 13-7-2015

श्री फागुराम सुखई प्रजापति
(पी.एस. प्रजापति)
"MAN OF FEW WORDS"
"आपके आदर्श, उच्च विचार व विनम्रता हमे सदा प्रेरित करेंगे, आप सदा हमारे दिलोमे रहेगें."
पत्नीः श्रीमती प्रेमलता फागुराम प्रजापति
पुत्रः शरद फागुराम प्रजापति
विजय फागुराम प्रजापति
नीशा नवनीत प्रजापति
एवं समस्त प्रजापति परिवार
PSP Group of Companies,
All Staff & Members

सरकार की मनमानी और करतार की मनमानी पर इंसानी जोर नहीं!

-विक्रम दयाल

जब शासन निरंकुश हो जाए और प्रकृति प्रतिकूल हो जाए, तब सबसे कठिन परीक्षा आम इंसान की होती है।

आज का युग विरोधाभासों का युग है। एक ओर मनुष्य चाँद और मंगल तक पहुँचने का दावा कर रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से भविष्य की दुनिया गढ़ रहा है, और विज्ञान के बल पर असंभव को संभव बना रहा है; दूसरी ओर वही मनुष्य रोजमर्रा के जीवन में ऐसी शक्तियों के सामने स्वयं को विवश पाता है, जिन पर उसका नियंत्रण नहीं है। इन्हीं अनुभवों से जन्म लेती है यह लोककथा-सी प्रतीत होने वाली पंक्ति–₹सरकार की मनमानी और करतार की मनमानी पर इंसानी जोर नहीं।₹ यह वाक्य केवल निराशा का प्रतीक नहीं है, बल्कि हमारे समय का एक गहरा सामाजिक और राजनीतिक प्रश्न भी है। क्या सचमुच आम नागरिक इतना असहाय हो गया है कि वह केवल परिस्थितियों को सहने के लिए ही बना है? या फिर यह उसकी चुप्पी है जिसने मनमानी को शक्ति प्रदान कर दी है? लोकतंत्र में सरकार जनता की सेवक मानी जाती है, स्वामी नहीं। जनता अपने मताधिकार के माध्यम से सरकार को यह अधिकार देती है कि वह संविधान के दायरे में रहकर शासन करे, जनकल्याण को प्राथमिकता दे और प्रत्येक नागरिक के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करे। किंतु जब निर्णय जनता की भागीदारी से दूर होने लगते हैं, जब संवाद की जगह आदेश लेने लगते हैं, जब आलोचना को असहज माना जाने लगता है, तब नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि लोकतंत्र की आत्मा कहाँ है? आज महँगाई एक सामान्य परिवार की सबसे बड़ी चिंता बन चुकी है। रसोई का बजट बिगड़ रहा है, शिक्षा महँगी होती जा रही है, चिकित्सा आम आदमी की पहुँच से दूर होती जा रही है, रोजगार की अस्थिरता बढ़ रही है। इन सबके बीच यदि नई नीतियाँ बिना पर्याप्त संवाद के लागू हों, तो नागरिक स्वयं को बोझ तले दबा हुआ महसूस करता है। उसकी सबसे बड़ी पीड़ा यह होती है कि निर्णय कोई और लेता है, किंतु उनका भार उसे उठाना पड़ता है। फिर भी यह कहना कि सरकार जो चाहे वही करेगी, लोकतंत्र की आत्मा के साथ न्याय नहीं होगा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता की जागरूकता है। यदि नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहें, यदि मीडिया निर्भीक रहे, यदि न्यायपालिका स्वतंत्र रहे और यदि समाज प्रश्न पूछने का साहस बनाए रखे, तो कोई भी सत्ता निरंकुश नहीं रह सकती। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि जनता की शांतिपूर्ण और संगठित आवाज ने अनेक बार सत्ताओं को अपने निर्णय बदलने पर विवश किया है। अब बात करते हैं करतार की मनमानी की। मनुष्य चाहे जितनी भी प्रगति कर ले, प्रकृति के सामने उसका अहंकार क्षणभर में समाप्त हो जाता है। कभी बाढ़, कभी सूखा, कभी भूकंप, कभी महामारी, कभी असमय वर्षा–प्रकृति यह याद दिलाती रहती है कि इस सृष्टि का अंतिम स्वामी मनुष्य नहीं है। किसान महीनों मेहनत करता है। उसकी आँखों में फसल के साथ पूरे परिवार के सपने लहलहाते हैं। लेकिन एक रात की ओलावृष्टि उन सपनों को मिट्टी में मिला देती है। मजदूर वर्षों की कमाई से घर बनाता है, और एक प्राकृतिक आपदा सब कुछ बहा ले जाती है। ऐसे क्षणों में मनुष्य समझता है कि विज्ञान बहुत कुछ कर सकता है, पर सब कुछ नहीं। लेकिन क्या करतार की इच्छा के सामने मनुष्य केवल हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाए? भारतीय संस्कृति इसका उत्तर स्पष्ट देती है–नहीं। हमारे शास्त्र कर्म का संदेश देते हैं। मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। इसलिए परिस्थितियाँ चाहे जितनी कठिन हों, पुरुषार्थ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। दुर्भाग्य तब बढ़ता है जब सरकार की असंवेदनशीलता और प्रकृति की प्रतिकूलता एक साथ आ खड़ी हों। यदि सूखे से जूझते किसान को समय पर सहायता न मिले, यदि बाढ़ पीड़ितों तक राहत न पहुँचे, यदि बेरोजगार युवाओं को अवसर न मिलें, तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में सरकार का धर्म केवल प्रशासन चलाना नहीं, बल्कि संवेदना के साथ समाज का सहारा बनना भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शासन शक्ति का नहीं, सेवा का प्रतीक बने। लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता; वह विश्वास, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से जीवित रहता है। जनता को केवल शिकायत करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मतदान, सामाजिक सहभागिता, जनहित के प्रश्नों पर सजगता और संविधान के प्रति निष्ठा–यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा करते हैं। करतार की इच्छा के सामने विनम्रता आवश्यक है, लेकिन सरकार के सामने विवेकपूर्ण प्रश्न पूछना भी उतना ही आवश्यक है। आस्था मनुष्य को धैर्य देती है, और लोकतंत्र उसे अधिकार देता है। इन दोनों का संतुलन ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। आज सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक या प्राकृतिक नहीं है, बल्कि संवेदनाओं का है। जब सत्ता जनता का दर्द सुनना बंद कर देती है और समाज दूसरों की पीड़ा से आँखें मूँद लेता है, तब मनमानी बढ़ती है। लेकिन जब नागरिक जागते हैं, संवाद होता है और नैतिकता शासन का आधार बनती है, तब मनमानी अपने आप सीमित हो जाती है। अंततः यह सत्य स्वीकार करना होगा कि मनुष्य न तो प्रकृति का स्वामी है और न ही सरकार का दास। वह लोकतंत्र का नागरिक है और ईश्वर की सृष्टि का एक उत्तरदायी भाग है। इसलिए उसका कर्तव्य है कि वह अन्याय के विरुद्ध शांतिपूर्ण और संवैधानिक ढंग से आवाज उठाए, और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, परिश्रम और विश्वास बनाए रखे। समापन में इतना ही– सरकार की मनमानी यदि संविधान से बँधी रहे और करतार की इच्छा को मनुष्य विनम्रता से स्वीकार करे, तो जीवन संतुलित रहता है। किंतु जहाँ सत्ता अहंकार में डूब जाए और मनुष्य कर्म छोड़कर केवल भाग्य को दोष देने लगे, वहाँ समस्याएँ बढ़ती जाती हैं। इसलिए आवश्यकता न निराशा की है, न मौन की; आवश्यकता है जागरूक नागरिक, उत्तरदायी शासन और कर्मयोगी समाज की। याद रखिए–सरकारें बदलती हैं, परिस्थितियाँ बदलती हैं, मौसम बदलते हैं; पर सत्य, न्याय, कर्म और जनचेतना की शक्ति कभी पराजित नहीं होती। वही शक्ति अंततः हर मनमानी पर विजय प्राप्त करती है।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है। यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विजन महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड–ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा। सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूजीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूजीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी (IT) सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है। इसके बदले में भारत न्यूजीलैंड की उन्नत डेयरी तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और महासागर अनुसंधान की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकेगा। खेल, संस्कृति, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हस्ताक्षरित कई समझौता ज्ञापनों ने इस साझेदारी को केवल सरकारी गलियारों तक सीमित न रखकर जनता से जनता के जुड़ाव में बदल दिया है।

इस त्रिकोणीय यात्रा के भू-राजनीतिक निहितार्थों को समझे बिना इसका मूल्यांकन अधूरा रहेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और कर्ज के जाल वाली कूटनीति के बीच, भारत ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ मिलकर एक वैकल्पिक, नियम-आधारित और पारदर्शी व्यवस्था का खाका खींचा है। भारत की यह कूटनीति किसी देश के विरोध में नहीं, बल्कि 'समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत' के पक्ष में है। भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह वैश्विक मंच पर केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला देश है।

प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर से मिले 35 सर्वोच्च नागरिक सम्मान और इस दौरे के दौरान दक्षिण-पूर्वी एशिया व प्रशांत देशों में मिला अभूतपूर्व सम्मान यह दिखाता है कि भारत किस तरह 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन चुका है। भारत वैश्विक विनिर्माण और 5G/6G जैसी स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के दम पर दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह दौरा उसी संकल्प को गति देने वाला ईंधन है।

संपादकीय दृष्टिकोण से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीन देशों का दौरा भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' (Strategic Autonomy) और व्यावहारिक कूटनीति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने एक ही यात्रा में रक्षा निर्यात के नए बाजारों को साधा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए यूरेनियम का इंतजाम किया और भविष्य के डिजिटल उद्योगों के लिए खनिजों की क्रेडिबल सप्लाई चेन तैयार कर ली।

यह दौरा घरेलू राजनीति के संकीर्ण चश्मे से परे जाकर राष्ट्र-निर्माण के उस महायज्ञ का हिस्सा है, जहां विदेश नीति सीधे तौर पर देश के आम नागरिक के जीवन, रोजगार और सुरक्षा को प्रभावित करती है। साबांग बंदरगाह से लेकर मेलबर्न के कॉर्पोरेट बोर्डरूम और ऑकलैंड के नीतिगत गलियारों तक, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी का भारत 'जियो-पॉलिटिक्स' और 'जियो-इकोनॉमिक्स' के वैश्विक रंगमंच पर एक नायक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अखबारों के पन्नों पर इस यात्रा की सफलता को केवल तात्कालिक समझौतों के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम भारत के उस वैश्विक शिलान्यास के रूप में याद रखा जाएगा, जिसकी गूंज पूरे हिंद-प्रशांत महासागर में सुनाई दे रही है।

शेख हसीना की वतन वापसी के मायने

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर में स्वदेश लौटकर अदालत में आत्मसमर्पण करने की घोषणा ने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को नई चर्चा का विषय बना दिया है। यह केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री की घर वापसी का निर्णय नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की न्याय व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं, राजनीतिक संस्कृति और क्षेत्रीय कूटनीति की भी बड़ी परीक्षा बनने जा रहा है। जिस नेता ने लगातार सबसे लंबे समय तक बांग्लादेश की सत्ता संभाली, वही आज अपने ही देश में मृत्युदंड की सजा का सामना कर रही है और उसकी पार्टी अवामी लीग प्रतिबंधित है। ऐसे में उनकी प्रस्तावित वापसी कई राजनीतिक और संवैधानिक प्रश्नों को जन्म देती है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक विशेष साक्षात्कार में शेख हसीना ने कहा है कि वह अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ भारत में अपना निर्वासन समाप्त कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगी। उन्होंने कहा कि वह यह देखना चाहती हैं कि वर्तमान सरकार अपने सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कैसा व्यवहार करती है। उनके अनुसार यदि लोकतंत्र वास्तव में जीवित है तो राजनीतिक विरोधियों को न्यायपूर्ण सुनवाई और संवैधानिक अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी गिरफ्तारी हो सकती है, यहां तक कि उनकी हत्या भी की जा सकती है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने निर्णय से पीछे हटने वाली नहीं हैं।

शेख हसीना का यह निर्णय उस राजनीतिक घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में आया है जिसने वर्ष 2024 में पूरे बांग्लादेश को हिला दिया था। छात्र आंदोलन, व्यापक जन असंतोष और हिंसक घटनाओं के बाद उनकी सरकार सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद वह भारत आ गईं। बाद के महीनों में उनके विरुद्ध अनेक मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। उनकी पार्टी अवामी लीग की गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। अनेक नेता जेल भेजे गए जबकि कई अन्य भूमिगत होने या देश छोड़ने के लिए मजबूर हुए।

बांग्लादेश की राजनीति में शेख हसीना का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वह केवल एक राजनीतिक दल की नेता नहीं हैं, बल्कि देश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की पुत्री होने के कारण राष्ट्रीय राजनीति में उनकी अलग पहचान रही है। उनके नेतृत्व में बांग्लादेश ने आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, महिलाओं की भागीदारी, निर्यात वृद्धि और गरीबी उन्मूलन जैसे कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की। दूसरी ओर उनके शासनकाल पर विपक्ष को दबाने, चुनावी पारदर्शिता पर प्रश्न उठने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित करने और सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण जैसे आरोप भी लगते रहे। यही कारण है कि शेख हसीना का राजनीतिक व्यक्तित्व उपलब्धियों और विवादों दोनों का मिश्रण माना जाता है।

उनकी वापसी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वह न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने की इच्छा जता रही हैं।

– महेन्द्र तिवारी

सामान्यतः जिन नेताओं के विरुद्ध इतने गंभीर आरोप हों और जिन्हें मृत्युदंड जैसी सजा सुनाई गई हो, वे निर्वासन में ही रहना पसंद करते हैं। इसके विपरीत शेख हसीना ने अदालत में आत्मसमर्पण करने की बात कहकर राजनीतिक संघर्ष को न्यायिक मंच पर ले जाने का संकेत दिया है। इससे उनकी समर्थक राजनीति को नया नैतिक आधार मिल सकता है। यदि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई मिलती है तो वह इसे लोकतंत्र की जीत के रूप में प्रस्तुत करेंगी और यदि उनके साथ कठोर या पक्षपातपूर्ण व्यवहार होता है तो वह अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति अर्जित करने का प्रयास करेंगी।

वर्तमान बांग्लादेश सरकार के सामने भी यह स्थिति किसी परीक्षा से कम नहीं होगी। यदि सरकार कानून के अनुसार पारदर्शी प्रक्रिया अपनाती है तो उसकी लोकतांत्रिक साख मजबूत हो सकती है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप मजबूत होता है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी आलोचना बढ़ सकती है। मानवाधिकार संगठनों, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और विदेशी सरकारों की निगाहें इस पूरे घटनाक्रम पर बनी रहेंगी। इसलिए यह मामला केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक कूटनीति का विषय भी बनेगा।

अवामी लीग के लिए भी यह घोषणा नई ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। पिछले दो वर्षों में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अनेक वरिष्ठ नेता जेल में हैं या सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे समय में यदि शेख हसीना स्वयं देश लौटती हैं तो कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ सकता है। हालांकि यह भी संभव है कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पार्टी फिर से नेतृत्व संकट का सामना करे। इसलिए वापसी जितनी राजनीतिक संभावना लेकर आ रही है, उतने ही जोखिम भी अपने साथ ला रही है। भारत के दृष्टिकोण से भी यह घटनाक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगस्त 2024 में सत्ता से हटने के बाद शेख हसीना ने भारत में शरण ली थी। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों को लेकर अनेक प्रकार की अटकलें लगाई गईं। बांग्लादेश की ओर से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी समय समय पर उठती रही। यदि अब वह स्वेच्छा से अपने देश लौटती हैं तो भारत के लिए यह एक संवेदनशील कूटनीतिक विषय का शांतिपूर्ण समाधान साबित हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच भविष्य की बातचीत का वातावरण भी प्रभावित होगा। दक्षिण एशिया की राजनीति में व्यक्तित्व आधारित नेतृत्व का प्रभाव लंबे समय से देखा जाता रहा है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश सभी देशों में ऐसे नेता रहे हैं जिनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता और राजनीतिक विरासत ने चुनावी राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। शेख हसीना की वापसी की घोषणा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। वह अपने समर्थकों को यह संदेश देना चाहती हैं कि संघर्ष से पीछे हटना उनके स्वभाव में नहीं है। यह संदेश राजनीतिक रूप से प्रभावी हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के बीच जो मानते हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बांग्लादेश इस समय राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। नई सत्ता व्यवस्था अपनी वैधता मजबूत करने की कोशिश कर रही है, जबकि विपक्ष अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे समय में किसी बड़े राजनीतिक नेता की वापसी से राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यदि विरोध प्रदर्शन, गिरफ्तारी या हिंसक घटनाएं होती हैं तो देश की स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वहीं यदि सभी पक्ष लोकतांत्रिक संयम का परिचय देते हैं तो यह संकट राजनीतिक संवाद का अवसर भी बन सकता है। शेख हसीना ने अपने साक्षात्कार में कहा है कि किसी राजनीतिक दल का भविष्य अदालतों या प्रतिबंधों से नहीं बल्कि जनता के निर्णय से तय होना चाहिए। यह कथन लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की ओर संकेत करता है। किंतु इसके साथ यह भी उतना ही आवश्यक है कि कानून का शासन सभी पर समान रूप से लागू हो। यदि किसी नेता पर गंभीर आरोप हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच और पारदर्शी सुनवाई भी लोकतंत्र का ही हिस्सा है। इसलिए इस पूरे मामले में न्याय और राजनीति के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

दिसंबर में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं तो वह क्षण केवल एक राजनीतिक घटना नहीं होगा बल्कि आधुनिक बांग्लादेश के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय बनेगा। इससे यह तय होगा कि देश प्रतिशोध की राजनीति की ओर बढ़ता है या लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती की दिशा में आगे बढ़ता है। यह भी स्पष्ट होगा कि क्या राजनीतिक मतभेदों का समाधान न्यायिक और संवैधानिक प्रक्रियाओं से संभव है या संघर्ष की राजनीति ही आगे भी हावी रहेगी।

शेख हसीना की प्रस्तावित वापसी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें साहस, जोखिम, राजनीति, न्याय और लोकतंत्र के अनेक आयाम एक साथ दिखाई देते हैं। आने वाले महीनों में पूरा दक्षिण एशिया इस घटनाक्रम पर नजर रखेगा। यदि यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रहती है तो बांग्लादेश विश्व समुदाय के सामने लोकतांत्रिक परिपक्वता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन यदि यह राजनीतिक टकराव में बदलती है तो इसका प्रभाव केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और कूटनीतिक समीकरणों पर भी पड़ेगा। इसीलिए शेख हसीना की वापसी का यह निर्णय एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लोकतांत्रिक भविष्य का भी महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

रिश्वत के दाग से धूमिल होती सरकारी सेवा की गरिमा...

कभी-कभी कोई समाचार केवल एक खबर नहीं होता, बल्कि पूरे समाज के सामने खड़ा हुआ एक मौन प्रश्न बन जाता है। जब किसी सरकारी अधिकारी के यहाँ भारी मात्रा में नकदी, सोना या चाँदी मिलने की बात सामने आती है, तब लोगों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकारी सेवा का उद्देश्य जनसेवा है या संपत्ति का अंबार खड़ा करना? न्यायिक प्रक्रिया अपना काम करती है, लेकिन ऐसी घटनाएँ व्यवस्था पर जनता के भरोसे को अवश्य झकझोर देती हैं। सरकारी नौकरी सम्मान का पद है। यह वेतन के साथ-साथ विश्वास की भी जिम्मेदारी देती है। जिस कुर्सी पर बैठकर किसी नागरिक की समस्या हल होनी चाहिए, यदि उसी कुर्सी के आसपास संदेह का धुआँ उठने लगे, तो सबसे पहले व्यवस्था की साख प्रभावित होती है। जनता का विश्वास किसी तिजोरी में बंद नहीं किया जा सकता; वह हर दिन कर्म से कमाया जाता है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ का जो ये भ्रष्टाचार का मामला 20 करोड़ रुपया, 13 किलो सोना, 09 किलो चाँदी आदि -आदि प्रकाश में आया है, सभी के दिलों को झकझोर दिया है। भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि कुछ लोग अनुचित धन इकट्ठा कर लेते हैं। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि एक गरीब आदमी के मन में यह डर बैठ जाता है कि शायद बिना पैसे दिए उसका वैध काम भी नहीं होगा। यही डर लोकतंत्र की आत्मा को सबसे गहरी चोट पहुँचाती है। जब अधिकार भी कृपा की तरह मिलने लगें, तब व्यवस्था का आईना धुँधला होने लगता है। हर सरकारी कर्मचारी भ्रष्ट नहीं होता। आज भी हजारों-हजारों अधिकारी और कर्मचारी ऐसे हैं जो पूरी निष्ठा से जनता की सेवा कर रहे हैं। उन्हीं की ईमानदारी के कारण व्यवस्था चल रही है। इसलिए किसी एक घटना के आधार पर पूरे कर्मचारी वर्ग पर आरोप लगाना उचित नहीं होगा, लेकिन जहाँ भ्रष्टाचार दिखाई दे, वहाँ मौन रहना भी समाज के साथ न्याय नहीं होगा। रिश्वत की कमाई अक्सर बहुत चमकदार दिखाई देती है, पर उसकी चमक क्षणिक होती है। वह घर बड़ा बना सकती है, पर सम्मान नहीं; तिजोरी भर सकती है, पर चरित्र नहीं; बैंक बैलेंस बढ़ा सकती है, पर विश्वास नहीं। इतिहास गवाह है कि ईमानदारी से कमाया गया छोटा सम्मान भी बेईमानी से कमाए गए बड़े वैभव से कहीं अधिक स्थायी होता है। जब किसी कार्यालय का दरवाजा आम नागरिक के लिए कठिन और दलाल के लिए आसान हो जाए, तब समझ लेना चाहिए कि समस्या केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर पैदा हुई बीमारी की है। इस बीमारी का इलाज केवल कार्रवाई से नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिक साहस से होगा। आज आवश्यकता केवल दोषियों को खोजने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की भी है जहाँ ईमानदारी सबसे बड़ा परिचय बने। जिस दिन सरकारी कर्मचारी यह महसूस करेगा कि उसकी सबसे बड़ी पूँजी जनता का विश्वास है, उसी दिन रिश्वत का बाजार अपने आप छोटा पड़ने लगेगा।

माना कि किसी राष्ट्र की प्रशासनिक व्यवस्था उसकी रीढ़ होती है। गाँव का लेखपाल हो, राजस्व विभाग का कर्मचारी, बिजली विभाग का अधिकारी, न्यायालय का लिपिक, नगर निकाय का कर्मचारी या किसी अन्य कार्यालय का सेवक–इन सभी के कंधों पर जनता के विश्वास की जिम्मेदारी होती है लेकिन बिना ₹सुविधा शुल्क₹ के फाइल आगे नहीं बढ़ती, ये विडम्बना है। एक किसान जब खेत बेचने, खरीदने या अपने भूमि अभिलेख ठीक कराने के लिए कार्यालय पहुँचता है, तो वह अपने साथ उम्मीद लेकर जाता है। यदि उसके अधिकार का रास्ता अनावश्यक बाधाओं से भर जाए, तो उसके मन में व्यवस्था के प्रति निराशा जन्म लेती है। यही निराशा धीरे-धीरे विश्वास को कमजोर करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का भरोसा है और वही सबसे पहले आहत होता है। यहाँ समझनेवाली बात यह है कि जिस धन में किसी गरीब की विवशता, किसी किसान की बेबसी, किसी विधवा की प्रतीक्षा और किसी विद्यार्थी की उम्मीद छिपी हो, वह धन कभी सम्मान का कारण नहीं बन सकता। सरकारी सेवा का वास्तविक सम्मान वेतन से नहीं, बल्कि उस मुस्कान से मिलता है जो किसी नागरिक का काम समय पर और बिना किसी अनुचित अपेक्षा के पूरा होने पर उसके चेहरे पर दिखाई देती है। भारत की पहचान सत्य, सेवा, तप और त्याग से बनी है। यदि हम चाहते हैं कि आनेवाली पीढ़ियाँ इस देश पर गर्व करें, तो हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहाँ रिश्वत नहीं, ईमानदारी सबसे बड़ी पहचान हो; जहाँ पद नहीं, कर्तव्य बड़ा हो और जहाँ सरकारी कार्यालय का नाम सुनकर लोगों के मन में भय नहीं, बल्कि विश्वास पैदा हो।

यहाँ यदि हम राष्ट्रीय आंदोलन पर नजर डालें, तो भारत की आजादी किसी संयोग का परिणाम नहीं थी। यह उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों के रक्त, तप, त्याग और अदम्य साहस की अमूल्य विरासत है, जिन्होंने अपने आज को राष्ट्र के कल के लिए अर्पित कर दिया। किसी माँ ने अपना लाल खोया, किसी बहन की राखी सूनी हुई, किसी पत्नी का सिंदूर उजड़ गया, किसी पिता ने अपने जवान बेटे को देश के लिये कुर्बान कर दिया। अनगिनत क्रांतिकारियों ने फाँसी के फंदों को मुस्कुराकर चूँमा, गोलियाँ सीने पर झेलीं, कालकोठरियों की यातनाएँ सहीं और अपने प्राण भारतमाता के चरणों में समर्पित कर दिए। यानी हमने नदियों खून बहाया तब जाकर यह स्वतंत्रता मिली।स्वतंत्रता केवल शासन परिवर्तन नहीं थी; वह चरित्र निर्माण का भी आह्वान थी। उस पीढ़ी ने हमें केवल आजाद देश नहीं दिया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि राष्ट्र का निर्माण तप, त्याग, संयम, सत्य और कर्तव्य से होता है। जिन लोगों ने अपने प्राण दिए, उन्होंने यह कल्पना नहीं की होगी कि इस तरह के घोटाले भी होंगे। यहाँ समझनेवाली बात यह है कि भारत को विश्वगुरु केवल उसके प्राचीन ग्रंथों ने नहीं बनाया था। भारत को महान उसके ऋषियों के तप,सैनिकों के साहस, किसानों के श्रम, शिक्षकों के ज्ञान और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान ने बनाया। जब समाज सत्य, सेवा और संयम को अपना आदर्श मानता है, तभी राष्ट्र ऊँचा उठता है। यदि इन मूल्यों से दूरी बढ़ती है, तो केवल आर्थिक प्रगति भी राष्ट्र की आत्मा को संतुष्ट नहीं कर सकती। मेरे ख्याल से भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है, दंड इतना निश्चित और प्रभावी हो कि कोई भी सार्वजनिक पद का दुरुपयोग करने से पहले सौ बार सोचे। कानून का भय और चरित्र का प्रकाश–दोनों साथ चलेंगे, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास मजबूत होगा।

आज आवश्यकता केवल नए कानूनों की नहीं, बल्कि नए संकल्प की है। हर जनप्रतिनिधि, हर अधिकारी, हर कर्मचारी और हर नागरिक स्वयं से पूछे–क्या हम उस भारत के योग्य आचरण कर रहे हैं, जिसके लिए असंख्य लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था? यदि इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से खोज लिया जाए, तो शायद भारत फिर उसी मार्ग पर लौट सके, जहाँ तप, त्याग और संयम केवल शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की पहचान थे। सही रूप से देखा जाये, तो कठोर कानूनों से भी कोई देश महान नहीं बनता। वह तब महान बनता है जब उसके नागरिक अपने कर्तव्य को पूजा और अपने पद को जनसेवा का माध्यम समझते हैं। ईमानदारी का मूल्य कानून से नहीं, बल्कि अंतःकरण से तय होता है। जिस दिन पद का गौरव धन से बड़ा और कर्तव्य का सम्मान लालच से ऊँचा हो जाएगा, उसी दिन भ्रष्टाचार की जड़ें हिल जायेंगी। आज आवश्यकता केवल यह पूछने की नहीं है कि भ्रष्टाचार क्यों है, बल्कि यह भी पूछने की है कि हम अपने बच्चों को कौन-से आदर्श दे रहे हैं। यदि समाज फिर से सत्य, त्याग, संयम और सेवा को अपना सबसे बड़ा सम्मान बना ले, तो वही भारत अपनी नैतिक शक्ति के बल पर फिर विश्व के सामने प्रेरणा बन सकता है। यहाँ एक और समझनेलायक बात यह है कि देश का भविष्य केवल संसद की दीवारों में तय नहीं होता, वह सरकारी कार्यालयों की मेजों पर भी तय होता है। वहीं से जनता का विश्वास बनता है और वहीं से टूटता भी है। किसी नागरिक का पहला परिचय अक्सर शासन से किसी सरकारी कर्मचारी के माध्यम से होता है। यदि उसे सम्मान, पारदर्शिता और समय पर सेवा मिले, तो लोकतंत्र पर उसका भरोसा मजबूत होता है। यदि उसे निराशा मिले, तो व्यवस्था की छवि धूमिल होने लगती है। इस तरह भ्रष्टाचार केवल धन का लेन-देन नहीं है, यह अवसरों की चोरी है। यह उस किसान के सपनों की चोरी है, जिसने फसल बेचकर बच्चों की पढ़ाई का सपना देखा। यह उस मजदूर की उम्मीद की चोरी है, जिसने दिन-रात मेहनत कर अपने परिवार का भविष्य सँवारने की कोशिश की। यह उस बुजुर्ग के धैर्य की परीक्षा है, जो अपने अधिकार के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाता है। रिश्वत का हर आरोप केवल एक लेन-देन नहीं, बल्कि विश्वास की नींव में पड़ी एक दरार है।

भारत की संस्कृति ने हमेशा संयम को संग्रह से बड़ा माना है। यहाँ दान की परंपरा रही, सेवा की परंपरा रही, त्याग की परंपरा रही। ऋषियों ने तप किया, संतों ने लोकमंगल का मार्ग दिखाया, स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने अपने लिए महल नहीं बनाए, बल्कि आनेवाली पीढ़ियों के लिए स्वतंत्र राष्ट्र बनाया। आज यदि हम उन आदर्शों को भूलने लगें, तो हमें अपने इतिहास से फिर सीखने की आवश्यकता है।ईमानदारी का अर्थ केवल रिश्वत न लेना नहीं है। ईमानदारी का अर्थ है–समय पर कार्यालय पहुँचना, नागरिक से सम्मानपूर्वक बात करना, उसके काम को अनावश्यक रूप से लंबित न रखना, नियमों का समान रूप से पालन करना और अपने पद का उपयोग केवल सार्वजनिक हित में करना। यही सरकारी सेवा की वास्तविक गरिमा है। वे कर्मचारी जो प्रतिदिन ऐसा करते हैं, वही इस व्यवस्था के सच्चे प्रहरी हैं। भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसका दुष्प्रभाव उस व्यक्ति पर सबसे अधिक पड़ता है, जो सबसे कम सक्षम होता है। सम्पन्न व्यक्ति किसी न किसी तरह अपना रास्ता निकाल लेता है, लेकिन गरीब आदमी के लिए हर अतिरिक्त दिन, हर अतिरिक्त चक्कर और हर अनावश्यक खर्च भारी पड़ता है। इसलिए भ्रष्टाचार केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। आज आवश्यकता यह नहीं कि केवल कानून कठोर हों आवश्यकता यह भी है कि समाज ईमानदारी को सम्मान दे और बेईमानी को कभी प्रतिष्ठा का प्रतीक न बनने दे। जब तक अनुचित साधनों से अर्जित वैभव को सामाजिक सफलता समझा जाएगा, तब तक समस्या का समाधान अधूरा रहेगा। सम्मान का आधार धन नहीं, चरित्र होना चाहिए। हर सरकारी कर्मचारी को प्रतिदिन स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए–जिस कुर्सी पर मैं बैठा हूँ, क्या मैं उसके योग्य आचरण कर रहा हूँ? क्या मेरे निर्णय से किसी गरीब की आँखों में आँसू आएँगे या राहत मिलेगी? क्या मेरे हस्ताक्षर किसी नागरिक के अधिकार को समय पर दिलाएँगे या उसे निराश करेंगे? इन प्रश्नों के उत्तर ही किसी कर्मचारी की वास्तविक पहचान बनाते हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल नई योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। उतनी ही आवश्यकता एक ऐसे प्रशासन की है, जिसकी पहचान निष्पक्षता, ईमानदारी और जवाबदेही हो। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है, जब आम नागरिक बिना भय, बिना भेदभाव और बिना किसी अनुचित अपेक्षा के अपने अधिकार प्राप्त कर सके। यही लोकतंत्र की आत्मा है और यही सरकारी सेवा का सर्वोच्च आदर्श भी।

लेखकः - रामकेश एम. यादव 'सरस'
(रॉयल्टी प्राप्त कवि व साहित्यकार)
मुंबई

मुंबई के सुरेश मिश्र को मिलेगा पं. बाण पुरस्कार

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। महाकवि बाण प्रतिष्ठान द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला देश का प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार पं. बाण सम्मान इस वर्ष मुंबई के लब्धप्रतिष्ठित हास्य कवि सुरेश मिश्र को पंद्रह जुलाई 2026 को देशभारती पब्लिक इंटर कॉलेज, राजाजीपुरम, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रदान किया जायेगा।इस सम्मान के अंतर्गत शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र के साथ इक्यावन हजार रुपए नकद दिए जायेंगे और साथ ही देश के मूर्धन्य विद्वान व ओजरस के शिखर कवि पं. वेदव्रत वाजपेई के जन्म दिवस को गुरु पर्व के रूप में मनाया जायेगा।

इस अवसर पर होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सुरेश मिश्र द्वारा रचित हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रकाशित पहला डमरू छंद संग्रह डमरू शतक का विमोचन भी किया जायेगा।यह घोषणा देशभारती पब्लिक इंटर कालेज के संस्थापक पंडित वेदव्रत वाजपेई ने एक प्रेस कांफ्रेंस में की। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायकों के साथ कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

ज्ञात हो कि सुरेश मिश्र की अब तक आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी रचित कविता ' नदी की पुकार ' कक्षा नौवीं (लोकवाणी) में और ' मां-बाप से बढ़कर कोई भगवान नहीं है ' कक्षा छठवीं (बांग्ला भारती) में महाराष्ट्र के शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में शामिल है। इन्हें साहित्य अकादमी सहित दर्जनों प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इंटर कॉलेज के प्रबंधक मनुव्रत वाजपेई ने तमाम साहित्य रसिकों से इस साहित्यिक यज्ञ में उपस्थित रहने का आह्वान किया है।

भिवंडी के लिटिल चैम्प स्कूल में डिजिटल शिक्षा को मिला नया आयाम, नगरसेवक निलेश चौधरी की पहल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के ताडाली-अंजुरफाटा स्टेशन रोड स्थित लिटिल चैम्प स्कूल में विद्यार्थियों की आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानिक नगरसेवक निलेश चौधरी ने अपने स्वयं के निधि से स्कूल को 65 इंच का अत्याधुनिक ए.आई. डिजिटल पैनल भेंट किया। इस डिजिटल पैनल के माध्यम से विद्यार्थियों को स्मार्ट एवं इंटरैक्टिव तरीके से पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। स्कूल के संस्थापक खिलना शाह एवं कल्पेश शाह हमेशा से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास करते रहे हैं। इसी क्रम में स्कूल में ए.आई. डिजिटल पैनल की आवश्यकता महसूस की गई। इस विषय को कल्पेश शाह ने नगरसेवक निलेश चौधरी के समक्ष रखा, जिस पर उन्होंने बिना किसी विलंब के विद्यार्थियों के हित में डिजिटल पैनल उपलब्ध कराया। इस अवसर पर आयोजित लोकार्पण समारोह में नगरसेवक निलेश चौधरी, विनोद सकपाल, स्कूल के संस्थापक खिलना शाह, कल्पेश शाह, शिक्षक मनोज यंगुलवार, दीपा हरिया, पूर्वी शाह तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने नगरसेवक निलेश चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह डिजिटल पैनल विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बनाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट के कथित घोटाले को लेकर कल्याण में कांग्रेस का सत्याग्रह, रथयात्रा निकालकर जांच की मांग

कल्याण। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट में कथित आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों को लेकर कल्याण शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को रघुपति राघव राजाराम सत्याग्रह आंदोलन आयोजित किया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के निर्देश पर आयोजित इस आंदोलन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन सिंह ने किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कार्यालय तक रथयात्रा निकालकर कथित घोटाले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता टाळ-मृदुंग की धुन, भजन-कीर्तन और श्रघुपति राघव राजाराम श् के भजनों के साथ सड़कों पर उतरे। रैली का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भगवान हनुमान की वेशभूषा में शामिल कार्यकर्ता रहे, जिन्होंने सुसज्जित रथ पर सवार होकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद श्री हनुमान मंदिर में महाआरती भी की गई।

रैली के समापन पर कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कल्याण के सहायक पुलिस आयुक्त अशोक होनमाने को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन की निष्पक्ष जांच कराने, कथित अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा महाराष्ट्र सहित देश के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक संस्थानों के वित्तीय लेन-देन की भी पारदर्शी जांच कराने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष नवीन सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के साथ दिए गए दान का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। यदि किसी भी धार्मिक संस्था में आर्थिक अनियमितता के आरोप सामने आते हैं, तो निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

हिन्दी साप्ताहिक 'सामना की आवाज' का प्रथम स्थापना दिवस भिवंडी में धूमधाम से मनाया गया, संपादक का हुआ सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के वरालदेवी चौक स्थित श्री अयप्पा स्वामी मंदिर सभागार में हिन्दी साप्ताहिक सामना की आवाज समाचार पत्र का प्रथम स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर समाचार पत्र के स्थापना दिवस विशेषांक का अतिथियों के करकमलों द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पत्रकार, समाजसेवी, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के पुष्पगुच्छ व शाल-श्रीफल से सम्मान के साथ हुई। इसके पश्चात संपादक राजेश पांडे ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों का स्वागत करते हुए समाचार पत्र की एक वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामना की आवाज ने अपने पहले ही वर्ष में निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहित की पत्रकारिता के माध्यम से मुंबई, ठाणे, भिवंडी, नवी मुंबई, पालघर सहित विभिन्न क्षेत्रों की छोटी से छोटी तथा बड़ी से बड़ी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित कर आमजन की आवाज बनने का प्रयास किया है। यही विश्वास और पाठकों का स्नेह इस समाचार पत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र/मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव के करकमलों द्वारा स्थापना दिवस विशेषांक का लोकार्पण किया गया। अपने संबोधन में अजय यादव ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में

निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित की पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। श्सामना की आवाजश् ने अल्प समय में अपनी विश्वसनीय पहचान बनाकर समाज के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है, जो सराहनीय है। उन्होंने समाचार पत्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भिवंडी प्रतिनिधि लवलेश सुतार, यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलीराम यादव, राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत आर. यदुवंशी, सचिव सभाजीत सांचू यादव, आचार्य सूरजपाल यादव, सचिव दीनानाथ यादव, संस्कार सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी गयाप्रसाद यादव, आचार्य जयदेव शास्त्री, हरिशंकर यादव, प्रिंस 24 टीवी न्यूज के संपादक सी.पी. तिवारी, पत्रकार मुबारक रायन, सोनी टीवी न्यूज के संपादक संतोष सोनी सहित अनेक पत्रकार, समाजसेवी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रकाशित करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और जनभावनाओं को स्वर देने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्सामना की आवाजश् भविष्य में भी निष्पक्षता, पारदर्शिता और सामाजिक सरोकारों के साथ पत्रकारिता करते हुए जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने समाचार पत्र की टीम को प्रथम स्थापना दिवस की बधाई देते हुए स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट किए। उपस्थित पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाचार पत्र की निरंतर प्रगति और सफलता की कामना की। अंत में संपादक राजेश पांडे ने सभी अतिथियों, पत्रकार बंधुओं, समाजसेवियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्सामना की आवाजश् आगे भी निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित की पत्रकारिता के अपने संकल्प को पूरी निष्ठा के साथ निभाता रहेगा तथा समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेगा। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ संपन्न किया गया।

राजन नाईक ने एसआईआर पंजीकरण-सत्यापन शिविर का किया निरीक्षण

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार वेस्ट स्थित म्हाडा बिल्डिंग नंबर 12 में आयोजित एसआईआर पंजीकरण/सत्यापन शिविर का नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने दौरा किया।

दौरे के दौरान विधायक राजन नाईक ने शिविर में मौजूद नागरिकों से बातचीत कर एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भी चर्चा की तथा निर्देश दिए कि पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया के दौरान किसी भी नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, अपनी एसआईआर प्रक्रिया समय पर पूरी करें और अपने मतदान के अधिकार को सुरक्षित रखें।

उत्तम कुमार द्वारा आयोजित निःशुल्क मेडिकल कैंप में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने की शिरकत

वसई (उत्तरशक्ति)। भाजपा जनसंपर्क कार्यालय, शास्त्री नगर, वसई पश्चिम में भारी बारिश के बाद उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से भाजपा केरल प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र प्रदेश संयोजक उत्तम कुमार की पहल पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मेडिकल कैंप का दौरा कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा उपस्थित नागरिकों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने शिविर के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। शिविर में

नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाओं का वितरण तथा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। आपदा की घड़ी में समाज के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी निभाने वाले डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्वयंसेवकों के योगदान की विधायक ने सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा केरल प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र प्रदेश संयोजक उत्तम कुमार, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, मयंक शेठ, बाला सावंत, जिग्नेश म्हात्रे, नंदू पवार, सायराज पवार, एड. प्रणीत कोप्पिकर, श्रीमती बबीता शर्मा, जितेंद्र पांडेय, प्रवेश दुबे, श्रीमती प्रीति शर्मा, श्रीमती पूनम पूनावाला, स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता, डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुंबई के भांडुप में भारत रत्न के. कामराज की प्रतिमा का अनावरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में में उल्लेखनीय काम करने वाले मुंबई नाडार संगम समाज के नए ऑफिस ब कार्यालय का उद्घाटन आज भांडुप (पश्चिम) के लेक रोड इलाके में उत्तर पूर्व मुम्बई के सांसद संजय दीना पाटिल करकमलों से किया गया। इसी समारोह में भारत रत्न, स्वतंत्रता सेनानी और वरिष्ठ समाज सुधारक के. कामराज की याद में बनाई गई प्रतिमा का भी सांसद संजय दीना पाटिल ने अनावरण किया। बता दें कि मुंबई नाडार संगम समाज कई सालों से शैक्षणिक , समाजिक और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा में मदद उनका मार्गदर्शन और अलग-अलग तरह की हरसंभव मदद देने का जरूरी काम उक्त संस्था

हमेशा से कर रही है अब इस नए बड़े कार्यालय के माध्यम से यह काम मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में और बड़े पैमाने पर किया जाएगा। समारोह में उपस्थित लोगों ने भारत रत्न के. कामराज को शिक्षा के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक योगदान के लिए याद किया। इस मौके पर बताया गया कि मुंबई नाडार संगम समाज आम गरीब परिवारों के छात्रों के बीच शिक्षा पहुंचाने के लिए सामाजिक काम कर रहा है। इस समारोह में तमिलनाडु के तिरुनेलवेली से सांसद रॉबर्ट ब्रूस प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा नाडार संगम समाज के मुंबई अध्यक्ष राजा इलेंगो नाडार सेक्रेटरी पैलेस दुरई, कोषाध्यक्ष बालन सहित समाज के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। नए ऑफिस के उद्घाटन के साथ ही भारत रत्न के. कामराज की प्रतिमा का अनावरण किया गया। जिससे यह समारोह ऐतिहासिक और समाज के लिए प्रेरणा देने वाला बन गया। सांसद संजय दीना पाटिल ने भरोसा जताया कि मुंबई नाडार संगम समाज आने वाले समय में शिक्षा, समाज सेवा और सामाजिक सदभाव को बनाए रखते हुए बड़े पैमाने पर ऐतिहासिक काम करता रहेगा।

सामाजिक कार्यकर्ता संजय मिश्रा का निधन, लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर (पश्चिम) स्थित आजाद नगर, डीजे वाड़ी निवासी समाजसेवी संजय मिश्रा का शुक्रवार 10 जुलाई की सुबह उपचार के दौरान ओस्तवाल स्थित नवजीवन अस्पताल में निधन हो गया। वह 55 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से बोईसर सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद के निवासी स्वर्गीय संजय मिश्रा अपने सरल, मिलनसार व मृदुभाषी स्वभाव के लिए जाने जाते थे। वे लंबे समय से सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहकर समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे। उनके व्यवहार और सेवा

भावना के कारण समाज के हर वर्ग में उनकी विशेष पहचान थी। स्वर्गीय मिश्रा अपने पीछे धर्मपत्नी, एक पुत्र, एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार शाम बोईसर शहर पूर्व स्थित खैरापाड़ा मोक्षधाम में पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। पुत्र निखिल मिश्रा ने नम आंखों से पिता को मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा एवं अंतिम संस्कार में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी, आजाद नगर के निवासी, शुभचिंतक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और दिवंगत संजय मिश्रा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय संजय मिश्रा के आकस्मिक निधन पर बोईसर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

काशीगांव पुलिस का बड़ा एक्शन: देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़, महिला एजेंट गिरफ्तार

- ऑर्केस्ट्रा बार और डांस क्लब में काम करने वाली युवतियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर चलाया जा रहा था देह व्यापार; दो पीड़ित युवतियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय (एमबीवीवी) के काशीगांव पुलिस स्टेशन की टीम ने देह व्यापार के एक संगठित रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान दो पीड़ित युवतियों को देह व्यापार के दलदल से मुक्त कर सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, जोन-1 के पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण को एक एनजीओ के माध्यम से सूचना मिली थी कि मीरा रोड (पूर्व) स्थित मुंबईझगुजरात हाईवे पर मेराकी होटल के समीप एक महिला एजेंट ग्राहकों को ऑर्केस्ट्रा बार एवं डांस क्लब में काम करने वाली युवतियों के फोटो भेजकर उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए उपलब्ध कराने वाली है। सूचना के आधार पर काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक बोगस ग्राहक एवं पंच की सहायता से जाल बिछाया। मेराकी होटल के पास छापेमारी कर महिला एजेंट को हिरासत में लिया गया तथा दो पीड़ित युवतियों को रेस्क्यू किया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला पिछले लगभग एक वर्ष से ऑर्केस्ट्रा बार एवं डांस क्लब में कार्यरत युवतियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर देह व्यापार का अवैध कारोबार संचालित कर रही थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि पीड़ित युवतियां किन-किन ऑर्केस्ट्रा बार एवं डांस क्लबों में कार्यरत थीं तथा इस गिरोह में महिला एजेंट के अन्य सहयोगी कौन हैं। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के विरुद्ध बीएनएस की धारा 143(3) तथा अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) की धारा 4 एवं 5 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, रेस्क्यू की गई दोनों पीड़ित युवतियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सुरक्षित रूप से कांदिवली स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन सुधारगृह भेजा जा रहा है। यह कार्रवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा जोन-1 के पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण एवं मीरा रोड डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल, हेड कांस्टेबल राहुल वालूंज, सचिन पाटिल, इरफान मुलानी, महिला पुलिस कर्मियों एवं अन्य पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

जयेश ट्रेनिंग अकादमी के साईश पटेल ने वर्ल्ड तायक्वांडो चैंपियनशिप में रचा इतिहास, जीते तीन स्वर्ण पदक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दक्षिण कोरिया के गिमचॉन में 10 से 12 जुलाई के बीच आयोजित वर्ल्ड तायक्वांडो चैंपियनशिप में मुंबई की जयेश ट्रेनिंग अकादमी के खिलाड़ी साईश पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का तिरंगा विश्व मंच पर गर्व से लहराया। पूमसे, फाइट (क्योरुगी) और बोर्ड ब्रेकिंग–इन तीनों स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने तीन स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए जयेश ट्रेनिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक मास्टर जयेश वेल्हाळ ने साईश पटेल को विशेष प्रशिक्षण देकर प्रतियोगिता के लिए तैयार किया था। प्रतियोगिता से पहले साईश ने लगातार तीन महीनों तक प्रतिदिन दो से तीन घंटे कठोर, अनुशासित और योजनाबद्ध अभ्यास किया। उनकी अथक मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प का ही यह स्वर्णिम परिणाम बताया गया।

साईश की इस सफलता के पीछे फाइट कोच यश दळवी, पूमसे कोच निशांत शिंदे तथा बोर्ड ब्रेकिंग कोच कृपेश रणक्षेत्रे का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। सभी प्रशिक्षकों के सामूहिक प्रयासों के कारण साईश ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम गौरवान्वित किया।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मास्टर जयेश वेल्हाळ ने साईश पटेल को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने साईश के माता-पिता, सभी प्रशिक्षकों तथा जयेश ट्रेनिंग अकादमी की पूरी टीम के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देकर भारत के लिए अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले खिलाड़ी तैयार करना ही अकादमी का उद्देश्य है। भविष्य में भी जयेश ट्रेनिंग अकादमी इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

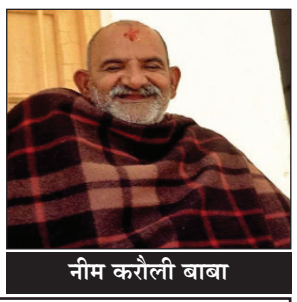

नीम करौली बाबा

अपने चाहते बॉबी देओल को देखने विरार में भीड़ उमड़ पड़ी

विरार। कल्याण ज्वैलर्स ने आज विरार में अपने पहले शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। महाराष्ट्र में ब्रांड के रिटेल विस्तार में यह एक बड़ा पड़ाव है। इस शानदार उद्घाटन समारोह में श्री बॉबी देओल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, बॉबी देओल को देखने विरार वालों की भीड़ उमड़ पड़ी साथ ही कई गणमान्य लोग और स्थानीय ग्राहक भी उपस्थित थे। कल्याण शोरूम का अनावरण बॉबी देओल द्वारा किया गया साथ ही कई गणमान्य लोग और स्थानीय ग्राहक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मौजूद उत्साही भीड़ को संबोधित करते हुए फिल्म अभिनेता बॉबी देओल ने कहा,श्विरार में कल्याण ज्वैलर्स के पहले शोरूम के उद्घाटन पर यहाँ आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। कल्याण ज्वैलर्स ने गुणवत्ता, पारदर्शिता और बेहतरीन कारीगरी के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता से करोड़ों लोगों का भरोसा जीता है। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मैं इस खास मौके का एक हिस्सा बना हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि विरार के ग्राहकों को ब्रांड का यह खूबसूरत कलेक्शन और वर्ल्ड-क्लास शॉपिंग का अनुभव बेहद पसंद आएगा।

यह रणनीतिक शुरूआत इस पूरे विरार इलाके के लिए एक बेहतरीन,

वन-स्टॉप ज्वेलरी डेस्टिनेशन लेकर आई है। इस हाई-टेक और आधुनिक शोरूम का माहौल बेहद आलीशान है। यहाँ आभूषणों का ऐसा बेजोड़ कलेक्शन है जो हर तरह के ग्राहकों की पसंद को पूरा करता है। सदाबहार पारंपरिक और शादी के आभूषण हो, या फिर आज के जमाने के आधुनिक और वजन में हल्के डिजाइन, यह सब कुछ है।

रमेश कल्याणरमन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कल्याण ज्वैलर्स ने कहा,श्महाराष्ट्र हमेशा से हमारे सबसे अहम मार्केट्स में से एक रहा है। हमें बेहद खुशी है कि विरार में अपना पहला शोरूम खोलकर हम यहाँ अपनी मौजूदगी को और मजबूत कर रहे हैं। यह विस्तार दिखाता है कि हम इस पूरे इलाके के ग्राहकों तक कल्याण ज्वैलर्स का बेहतरीन अनुभव पहुँचाने के लिए तत्पर हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

'सम्भव अभियान 6.0' की सफलता को लेकर बनी रणनीति

समीक्षा बैठक में कुपोषित बच्चों व गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत पहचान पर जोर

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाल विकास परियोजना कार्यालय खुटहन के सभागार में 'सम्भव अभियान 6.0' के प्रभावी संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीडीपीओ सुरेश कुमार यादव ने की। इस अभियान के तहत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों, गंभीर कुपोषित तथा कम वजन वाले बच्चों की समयबद्ध पहचान एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई।

सीडीपीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं आंगनबाडी कार्यकत्रियों को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र लाभार्थी अभियान से वंचित न रहे। ई-कवच पोर्टल पर समयबद्ध पंजीकरण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, दवा वितरण एवं पोषण परामर्श को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया।बैठक में सुपरवाइजर सुशीला वर्मा, रीना, दीपिका शुक्ला, अनिता यादव, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विपिन यादव, पत्रवाहक बिंदु यादव समेत स्वास्थ्य, पंचायत एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहे।

जौनपुर मेडिकल कॉलेज में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में रविवार को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया पौधरोपण

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने पौधरोपण कर किया।

इस अवसर पर मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी माँ के नाम कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने सभी ग्राम सभाओं, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने की अपील की।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. आर. बी. कमल ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज परिसर को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है तथा लगाए गए प्रत्येक पौधे की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

महाविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम के दौरान 1000 से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी, चिकित्सा शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी पौधरोपण कर अभियान को सफल बनाया।

रा.नौ.सभा और देवदूत हेल्पिंग हैंड्स ने लगाया रक्तदान शिविर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के सान्निध्य में देवदूत हेल्पिंग हैंड्स द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान समारोह जिला

कुल 77 रक्तदाताओं ने शिविर में किया रक्तदान

अस्पताल ब्लड बैंक में सम्पन्न हुआ, जिसमें कुल 77 रक्तदाताओं ने अपना रक्तदान के साथ बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि संस्थापक राष्ट्रवादी नौजवान सभा एवं पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कैंप का फीता काटकर उद्घाटन कर रक्तदान भी किया वहीं सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इसके अतिरिक्त देवदूत हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सदस्य दुर्गेश सिंह ने अपना रक्तदान करते हुए रक्तदान के महत्व के बारे में बताया।

इस अवसर पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह, सचिव राणा सिंह, जिलाध्यक्ष रतनदीप शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह, देवेन्द्र तिवारी ने भी रक्तदान किया। इस दौरान देवदूत हेल्पिंग हैंड्स के सदस्यों में गौरव सिंह, राम सिंह, बलवंत सिंह, नेहा सिंह, ऋचा सिंह, किरण सिंह, सोनम झा आदि ने रक्तदान करते हुए औरों को प्रेरित किया।

राजा हसन खान मेवाती और हकीम खान सूरी का बलिदान राष्ट्रीय एकता की मिसाल: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज महाराणा प्रताप हकीम खान सूरी राष्ट्रीय एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत का इतिहास उन वीरों के त्याग और बलिदान से प्रेरित है जिन्होंने धर्म, जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1527 के खानवा युद्ध में राजा हसन खान मेवाती ने महाराणा सांगा का साथ देते हुए बाबर की सेना के विरुद्ध वीरतापूर्वक युद्ध किया और रणभूमि में शहीद हुए। वहीं वर्ष 1576 के हल्दीघाटी युद्ध में अफगान वीर हकीम खान सूरी ने महाराणा प्रताप की ओर से मुगल सेना का सामना करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि इन दोनों योद्धाओं का जीवन भारत की साझा विरासत, राष्ट्रभक्ति और एकता का प्रतीक है।

अरशद खान ने कहा कि इतिहास के ऐसे प्रेरणादायक प्रसंगों को नई

पीढ़ी तक पहुँचाना आवश्यक है, ताकि समाज में भाईचारा, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत हो। उन्होंने कहा कि किसी भी महापुरुष का सम्मान उसके धर्म या जाति से नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति उसके योगदान और बलिदान से होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप हकीम खान सूरी राष्ट्रीय एकता मंच देशभर में संगोष्ठियों, युवा संवादों और जन-जागरण अभियानों के माध्यम से राजा हसन खान मेवाती, हकीम खान सूरी तथा अन्य राष्ट्रनायकों के योगदान को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान चलाएगा।

अरशद खान ने युवाओं से भारत के गौरवशाली इतिहास का अध्ययन करने तथा संविधान के मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा सामाजिक न्याय, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का माध्यम है तथा वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदाताओं से इन मूल्यों के समर्थन में लोकतांत्रिक निर्णय लेने का आग्रह किया।

जौनपुर में सरसों तेल कंपनी में भीषण अग्निकांड, लाखों की संपत्ति राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मड़ियाहूं क्षेत्र के परसत (बेलवा)

स्थित परी ब्रांड ऑयल कंपनी में रविवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस अग्निकांड में कंपनी की लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हालांकि, किसी जनहानि की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मानव जीवन के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी: उमेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विकास खण्ड धर्मापुर ग्राम सभा

कादीपुर (पौना) में नन्द गोपाल फाउंडेशन के तत्वावधान में व्यापक वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अभियान के तहत दो सौ फलदार और छायादार पौधे लगाये गये। जिनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और ऑक्सीजन की आपूर्ति को बढ़ाकर प्रकृति को हरा-भरा बनाना है। फाउंडेशन के अध्यक्ष उमेश मौर्य के नेतृत्व में चलाये गये। इस दौरान उमेश मौर्य ने कहा कि मानव जीवन के लिए पेड़-पौधे अवश्य लगायें ताकि जीव जंतु के साथ-साथ मनुष्य भी स्वस्थ बना रहे।वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के लेखपाल मानस उपाध्याय, नवनीत सोनकर, इउढट सुधीर मौर्य सहित तमाम शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा अजय सोनकर, सूरज प्रजापति, विकास गुप्ता सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण को बचाने के लिए सभी लोगों ने वचन लिया कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। इस दौरान लोगों ने कहा कि हम सभी लोगों को मिलकर प्रति वर्ष हजारों पौधे लगाना चाहिए ताकि आने वाले समय में पर्यावरण को पूरी तरह से ठीक बना सकें। सभी लोगों ने प्रतिज्ञा किया कि इस वर्ष हजारों पौधे लगाना है ताकि हमारा क्षेत्र हरा भरा बना रहे।

सपा अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव बने मौलाना अनवार कासमी, जौनपुर में हुआ भव्य स्वागत समारोह

राकेश मौर्य बोले- अनवार कासमी के नेतृत्व से पीडीए आंदोलन को मिलेगी नई धार, संगठन होगा मजबूत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किए जाने पर शिक्षाविद् मौलाना अनवार कासमी का रविवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की, जबकि बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि मौलाना अनवार कासमी लंबे समय से शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके राष्ट्रीय सचिव बनने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पीडीए आंदोलन को मजबूती प्राप्त होगी।

अपने स्वागत से अभिभूत मौलाना अनवार कासमी ने कहा कि वे सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए पीडीए विचारधारा को मजबूती देने का कार्य करेंगे तथा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में पूरी जिम्मेदारी से

काम करेंगे।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, प्रदेश सचिव सुशील दुबे, कलीम अहमद, डॉ. सरफराज खान, शकील अहमद, डॉ. शबनम नाज, पूनम मौर्य, डॉ. अमित यादव, दीपक विश्वकर्मा, राहुल त्रिपाठी, शशिधर त्रिपाठी, मौलाना हनीफुल कादरी सहित कई नेताओं ने संबोधित करते हुए मौलाना अनवार कासमी को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया। इस दौरान शायर अकरम जौनपुरी ने अपनी शायरी से कार्यक्रम में समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

समारोह में डॉ. डीपी यादव, मोहम्मद सलमान एडवोकेट, करुणा मिश्रा, अशफाक मंसूरी, दीपक जायसवाल, जगदीश प्रसाद मौर्य, अलमास सिद्दीकी, दिलदार अहमद, आरिफ अंसारी, रामाशंकर चौहान, सुभाष बघेल, प्रदीप पाल एडवोकेट, अजीज फरीदी, फैजी सभासद समेत बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव की ओर से जौनपुर के दो पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख की आर्थिक मदद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद जौनपुर के दो दिवंगत पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपकर पार्टी की ओर से संवेदना व्यक्त की।

जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोसाईपुर निवासी सपा बूथ अध्यक्ष स्वर्गीय प्रेमचंद यादव की लूट के बाद हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी निशा देवी को अखिलेश यादव की ओर से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस दौरान सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है।

वहीं, केराकत विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत केराकत निवासी स्वर्गीय डॉ. समीर हाशमी की चाइनीज मांझे से हुई दर्दनाक मौत के बाद उनके पिता मुकीम अहमद को भी एक लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा पीड़ित और जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ी रही है। भविष्य में भी पार्टी परिवारों की हर संभव मदद करती रहेगी।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अवधनाथ पाल, जिला महासचिव आरिफ हबीब, राजेंद्र यादव टाइगर, आलोक त्रिपाठी, रत्नाकर चौबे, दिनेश फौजी, विधानसभा अध्यक्ष नंदलाल यादव, राकेश अहीर, राहुल त्रिपाठी, डॉ. सरफराज खान, गुलाब यादव रीठी, संदीप यादव, गौरव यादव, जमाल हाशमी, दीपक विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

केराकत में सहायता राशि प्रदान करने के दौरान क्षेत्रीय सांसद प्रिया सरोज, पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज, सुरेश यादव, शर्मिला रमेश, आजाद कुरैशी, प्रदीप पाल एडवोकेट सहित अन्य सपा नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी जिला महासचिव आरिफ हबीब ने दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, बाइक सवार ममेरा भाई गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के प्रतापगंज के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका ममेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से बाजा बनवाकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान प्रतापगंज के समीप पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे घायल युवक का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर सिकरारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

आगे परशुराम, पीछे राम... बीच में तीन सवार, पुलिस बोली- नंबर कहां है श्रीमान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में एक

बुलेट सवार ने अपनी बाइक को ऐसा ₹धार्मिक एडिशन₹ बना रखा था कि आगे नंबर प्लेट पर ₹परशुराम₹,पीछे ₹राम₹ लिखा था, लेकिन असली नंबर कहीं नजर नहीं आया।ऊपर से मॉडिफाइड साइलेंसर की तेज आवाज और बाइक पर तीन सवारी मानो ट्रैफिक नियमों को खुली चुनौती दे रही थी।

पांडेयपुर चौकी प्रभारी दिनेश सिंह, उपनिरीक्षक प्रद्युमन राय और कांस्टेबल अमरेश यादव की नजर जैसे ही इस अनोखी बुलेट पर पड़ी, उन्होंने तुरंत वाहन रुकवा लिया। जांच में नंबर प्लेट नियमों के विपरीत मिली, मॉडिफाइड साइलेंसर और तीन सवारी का उल्लंघन भी सामने आया। इसके बाद चौकी प्रभारी ने मौके पर ही चालान काट दिया। संदेश साफ था—भगवान का नाम श्रद्धा के लिए है, नंबर प्लेट पर वाहन का नंबर लिखना कानून के लिए। ट्रैफिक नियमों से बड़ा कोई 'मॉडिफिकेशन' नहीं होता।

लेखपाल आवास के पास ही अवैध रूप से रख दिया गुमटी, जांच केंद्र हो रहा संचालित

दुद्धी (उत्तरशक्ति)। कस्बा में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाओ अभियान तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से बीच बीच में चलाती रहती है लेकिन तहसील विभाग के कमचार्री के आवास के पास ही सरकारी भूमि पर अवैध रूप से रखे गुमटी पर ध्यान किसी अधिकारी कमचार्री का नहीं जा रहा है। सूत्रों की मानें तो यह गुमटी कुछ सप्ताह पूर्व ही रखा गया है और उसमें बिना नाम बोर्ड के जांच केंद्र खोला गया है सरकारी भूमि पर कब्जा के साथ ही अवैध तरीके से जांच केंद्र खोल स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग को सीधा चैलेंज करता नजर आ रहा है। बता दे कि राजस्व विभाग दुद्धी के लेखपाल आवास के पीछे ही यह गुमटी रख कर बेखौफ जांच केंद्र संचालित किया जा रहा है। जिससे राजस्व विभाग की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में नजर आ रही है। कस्बे में इस बात की चर्चा है कि इस गुमटी की ओर राजस्व विभाग का ध्यान नहीं गया या कही मौन स्वीकृति तो नहीं है।

नोडल अधिकारी धनलक्ष्मी ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय में किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत महानिदेशक मत्स्य एवं जनपद में

पौधरोपण हेतु नामित नोडल अधिकारी श्रीमती धनलक्ष्मी के जी ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया।

अपने संबोधन में धनलक्ष्मी जी ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल पौधरोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का दायित्व भी निभाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शासन के द्वारा संचालित यह अभियान जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। यदि सभी लोग लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करें तो प्रदेश का हरित आवरण और अधिक बढ़ेगा तथा पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी।

उन्होंने सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर समाज एवं पर्यावरण के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. डीएफओ दिव्या, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह, प्रो मनोज मिश्र संकाय अध्यक्ष, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इसी तरह से जनपद के सभी तहसीलों, ग्राम पंचायतो,नगर निकायों में जनप्रतिनिधियो,आमजन, स्वंयसेवी संस्थाओं सहित अन्य के द्वारा हर्षोल्लास के साथ इस महायज्ञ कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी गईं।

बक्शा थाना परिसर में गूंजा हरियाली का संदेश, पत्रकार समाज कल्याण समिति ने किया वृक्षारोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को बक्शा थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पत्रकार समाज कल्याण समिति (रजि.) के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें पुलिस प्रशासन, पत्रकारों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस दौरान थाना परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। उपस्थित सभी लोगों ने पौधरोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और बदलते मौसम चक्र के बीच वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अमूल्य योगदान देते हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में बक्शा थाना प्रभारी एएसआई वीरेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक दुर्गा कुमार यादव, उपनिरीक्षक रविन्द्र नाथ, उपनिरीक्षक सिंघासन यादव सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वहीं पत्रकार समाज कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जिला प्रभारी रोहित चौबे, जिला संगठन मंत्री शाहिद खान, जिलाध्यक्ष स्वदेश कुमार, पंकज विश्वकर्मा, डी.के. अग्रवाल, दानिश, विपिन यादव, मुन्ना सिंह और दीपक उपाध्याय समेत कई पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कार्यक्रम ने दिया पर्यावरण बचाने और हरियाली बढ़ाने का सकारात्मक संदेश।

मोबाइल देखने से मना करने पर बहू बेटों ने पिता को पीटा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के बरौटी गांव में मोबाइल देखने से मना करने पर बेटों और बहु द्वारा पिता को पीटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरौटी (चवरवर) गांव निवासी पीड़ित शिवपूजन नाविक का आरोप है कि बीते 5 जुलाई को दिन भर बस मोबाइल देखने की बात को लेकर अपनी बहू बेटों को टोका था।

इसको लेकर उनका बेटा धर्मेंद्र नाविक उनसे विवाद करने लगा। शिवपूजन का आरोप है कि नाराज हुए धर्मेंद्र और रवि तथा बहू रीमा देवी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिससे उनको काफी चोटें आई है। बीच-बचाव करने पहुंचे रविंद्र नाविक को भी आरोपियो ने मारपीट कर घायल कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राम मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में बड़ा बदलाव,नए लोग होंगे शामिल

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। श्रीराम जन्मभूमि परिसर की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया जा रहा है। मंदिर परिसर में विभिन्न व्यवस्थाओं का संचालन कर रही कई समितियों के नेतृत्व में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां नए लोगों को सौंपी जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, धार्मिक कार्यक्रमों के संचालन, साफ-सफाई व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन, लॉकर संचालन, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, प्रसाद वितरण सहित श्रद्धालुओं से जुड़ी कई व्यवस्थाओं में बदलाव किया जा रहा है।

टेलीग्राम पर अश्लील वीडियो बेचने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। साइबर सेल और जीयनपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने टेलीग्राम के माध्यम से अश्लील फोटो और वीडियो बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में प्रभारी साइबर सेल उपनिरीक्षक रवि प्रकाश गौतम के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि 10 जुलाई को मिली सूचना के आधार पर साइबर सेल और जीयनपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर चंगईपुर तिराहा स्थित डॉ. रामनरेश कॉलेज के सामने से स्वरूपपुर अमुवारी नारायणपुर, थाना जीयनपुर निवासी आकाश चौहान को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लॉली सेलर नाम से टेलीग्राम चैनल संचालित करता था। वह विभिन्न टेलीग्राम ग्रुपों में अश्लील फोटो और वीडियो के स्क्रीनशॉट साझा कर ग्राहकों को आकर्षित करता था। इसके बाद ऑनलाइन भुगतान प्राप्त कर करीब 400 रुपये प्रति वीडियो के हिसाब से अश्लील सामग्री उपलब्ध कराता था।

डिप्रेशन के शिकार युवक ने फंदे से लटककर दी जान

मेहनाजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के पियरा इकबालपुर गांव में इंटर के छात्र पवन विश्वकर्मा (18) ने शुक्रवार की रात फंदे से लटककर जान दे दी। देर रात परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पवन के पिता ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था और उसका इलाज चल रहा था। पियरा इकबालपुर निवासी पवन विश्वकर्मा शुक्रवार रात खाना खाने के बाद छत पर स्थित कमरे में सोने चला गया था। रात करीब दो बजे परिजन किसी काम से उसके कमरे में पहुंचे तो वह लोहे के एंगल के सहारे गमछे के फंदे पर लटका मिला।

घटना की सूचना मिलते ही मेहनाजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता सत्येंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि पवन कुछ दिनों से डिप्रेशन में था और उसका होम्योपैथिक इलाज चल रहा था। पवन इंटरमीडिएट का छात्र था। वह तीन भाइयों और एक बहन के बीच दूसरे नंबर का था। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि युवक ने फंदे से लटककर जान दी है।

53 लाख के साइबर फ्रॉड का पदार्फाश, दो गिरफ्तार

महोबा (उत्तरशक्ति)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 53 लाख से अधिक के साइबर फ्रॉड गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बहाने से दूसरे लोगों के कागजात लेकर खाते खुलवाते थे और उन्हीं में साइबर ठगी की रकम मंगाते थे। पुलिस आरोपियों के तीन बैंक खाते फ्रीज कर छह अन्य खातों की जांच करा रही है। थाना खरेला के मोहल्ला रायसिंह निवासी शिवम सिंह ने साइबर थाना पुलिस को तहरीर दी थी। रायसिंह के अनुसार गांव के सोनू सिंह ने अपनी मां के इलाज के नाम पर उससे आधार कार्ड, पैन कार्ड व नई सिम लेकर एक्सिस बैंक में खाता खुलवाया था। खाते से संबंधित पासबुक, एटीएम, हस्ताक्षर युक्त चेक और सिम अपने पास रखकर खाते का दुरुपयोग किया। खाते में साइबर फ्रॉड से करीब 22 लाख रुपये का लेनदेन किया गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। साइबर थाना प्रभारी अर्जुन सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान पता चला कि यह एक संगठित गिरोह है जो अब तक करीब 53 लाख से अधिक की ठगी कर चुका है।

धनराशि और अधिक होने की संभावना हैं। जांच के दौरान तीन बैंक खातों को फ्रीज कराया जा रहा है जबकि छह अन्य खातों की जांच की जा रही है। रविवार को साइबर थाना प्रभारी, स्वाट टीम के एसआई शिवप्रताप सिंह व सर्विलांस प्रभारी विवेक कुमार की संयुक्त टीम ने दो आरोपी सोनू सिंह निवासी खरेला और महेंद्र उर्फ बाबू निवासी बंगरा जनपद हमीरपुर को गिरफ्तार किया।

घर पर अकेले युवक ने फंदा लगाकर दी जान

जालौन (उत्तरशक्ति)। कदौरा कस्बा क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर मोहल्ले में रविवार सुबह एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिजन मेला देखने गए थे। वह अकेला था, तभी उसने यह कदम उठा लिया। जब वह लौटे तो फंदे पर शव लटका देख उनके होश उड़ गए। थाना क्षेत्र के मोहल्ला सिद्धार्थ नगर निवासी सुशील कुमार (22) ट्रैक्टर चालक था। उसकी शादी करीब तीन माह पूर्व 25 अप्रैल को हमीरपुर जिले के मिश्रीपुर निवासी सोनम के साथ हुई थी। बताया गया कि रविवार सुबह परिवार के सभी सदस्य झलोखर स्थित भुवनेश्वरी मंदिर के मेले में गए हुए थे, जबकि सुशील घर पर अकेला था। इसी दौरान उसने घर में साड़ी के सहारे पंखे की कुंडी में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मेला देखकर लौटे परिजनों ने जब सुशील को फंदे पर लटका देखा तो उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कदौरा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएचसी से मेमो मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के पिता से पूछताछ करने के कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष परमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल से मेमो प्राप्त होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया युवक मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है।

युवक की मौत के बाद महिला ने लगाई फांसी

हरदोई (उत्तरशक्ति)। चंदसौरा गांव में एक महिला ने सिर्फ इसलिए फंदा लगाकर अपनी जान दे दी, क्योंकि उस पर गांव के ही एक युवक को खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लग रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस युवक की मौत के सदमे और लोकलाज में महिला ने आत्मघाती कदम उठाया, उसने महज चार दिन पहले गोवा में फांसी लगाई थी। इस दोहरी मौत के बाद पूरे गांव में मातम और सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, चंदसौरा गांव निवासी राजीव कुमार गोवा में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। वह वहां अपनी 35 वर्षीय पत्नी सुशीला और बेटी के साथ रहता था। राजीव के साथ गोवा में ही उसके गांव का रहने वाला बादाम सिंह भी काम करता था और उसी के घर पर रहता था।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 150 मरीजों का हुआ उपचार, जरूरतमंदों को मिली जांच और दवाओं की सुविधा

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बानर सेना के संस्थापक अजीत प्रताप सिंह की माताजी की स्मृति में रविवार को कुबा मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं देवदूत बानर सेना के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ श्री अजीत प्रताप सिंह ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सक धरती पर ईश्वर के प्रतिनिधि के समान होते हैं। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम में कुबा मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक मोहम्मद अरशद एवं रेडियोलॉजिस्ट डॉ. फारूक अरशद ने अजीत प्रताप सिंह का

पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने करीब 150 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान सीबीसी, ब्लड शुगर और ईसीजी जैसी जांचें निःशुल्क की गईं। मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

इसके अलावा सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और पैथोलॉजी जांचों पर 50 प्रतिशत विशेष छूट की सुविधा भी प्रदान की गई।

शिविर में डॉ. नशरा फातिमा, डॉ. अजफर जमाल, डॉ. हर्ष सिंह, डॉ. फैज अहमद, डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. आशुतोष झा, डॉ. अभिषेक रावत, डॉ. हिमांशु सिंह, डॉ. मोहम्मद चांद बागवान, डॉ. अजह? जमाल, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. शेरोजा, डॉ. अल्ताफ अहमद, डॉ. अब्दुल्लाह, डॉ. रुचि मिश्रा, डॉ. फैजान अहमद एवं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. एस.डी. अब्बासी सहित कई चिकित्सकों ने सेवाएं दीं।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि समाज के जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम में चिकित्सकों, अस्पताल कर्मियों, देवदूत बानर सेना के सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

थाना भेलूपुर पुलिस द्वारा वृक्षारोपण किया गया ! दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थाना भेलूपुर अंतर्गत चौकी खोजवा के प्रभारी मनोज कुमार चौहान ने अपनी पुलिस टीम के साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान चौकी परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा सभी पुलिसकर्मियों ने उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

चौकी प्रभारी मनोज कुमार चौहान ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। वृक्षारोपण अभियान के दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों ने भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आमजन को हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। इस अभियान के माध्यम से थाना भेलूपुर पुलिस ने यह संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों का निर्वहन भी पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। वृक्षारोपण जैसी पहल न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

बुद्ध भूमि से गोरक्षपीठ तक संस्कारों का संगम, शामिल हुए महेंद्र चंदवा

गोरखपुर/कुशीनगर। भगवान गौतम बुद्ध की करुणा और सनातन संस्कृति के संस्कारों का अद्भुत संगम कुशीनगर से गोरखपुर तक देखने को मिला। इस आध्यात्मिक यात्रा में भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान के प्रदेश मंत्री महेंद्र चंदवा ने सहभागिता कर इसे अविस्मरणीय बना दिया।

कुशीनगर में श्री चंदवा ने उत्तर प्रदेश के जिलाधिकारी महेंद्र तंवर के निवास पर आयोजित उनकी सुपुत्री के जन्मोत्सव कार्यक्रम में पहुंचकर परिवार को बधाई दी। इसके पश्चात वे गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ धाम पहुंचे, जहां परम पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सान्निध्य में जिलाधिकारी की सुपुत्री का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न हुआ।

इस अवसर पर श्री चंदवा ने कहा कि ₹बुद्ध की शांति, करुणा और योगी जी के नेतृत्व में सनातन परंपराओं का यह संगम समाज के लिए प्रेरणादायी है। ईश्वर से प्रार्थना है कि बालिका दीर्घायु हो और राष्ट्र की सेवा करे।

कार्यक्रम में हैदराबाद के उद्योगपति देवीदत राजेश जांगिड़, महावीर कुमावत, अधीक्षण अभियंता विजय लालपुरिया, कालू पहलवान, संजय सिंह, अमित कुमार सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। बुद्ध की धरती से मुख्यमंत्री की कर्मभूमि तक का यह आयोजन आस्था और संस्कृति का प्रतीक बन गया।

चोरों ने नगदी समेत लाखों के जेवरात पर फेरा हाथ

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के अमीहित (पकड़िया) गांव निवासी धनशीला पत्नी शैलचंद के घर को बीती रात अज्ञात चोरों ने मकान के पीछे लगी खिड़की को तोड़कर घर में घुस आलमारी में रखें लाखों रुपए के बेशकीमती जेवरात (मांगटिका,नथिया,चांदी की हाथमेहंदी,चांदी का पायल) व नगदी पांच हजार रुपए लेकर फरार हो गए।सुबह जब भुक्तभोगी घर का दरवाजा खोला तो खुली आलमारी व बिखरा सामान देख आवाक रह गया,देखते ही देखते चोरी की घटना आग की तरह गांव में फैल गई।भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दी सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय मय टीम के साथ मौके ए वरदात का मुआवना कर मामले की छानबीन में जुट गई। भुक्तभोगी ने पुलिस से

फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाने की मांग की,जिसपर प्रभारी निरीक्षक ने परिजनों की मांग पर टीम को बुलाने का आश्वासन दिए,खबर लिखे जाने तक फॉरेंसिक टीम मौके पर नहीं पहुंची थी।

चोरों ने तीन वर्ष पूर्व भी मकान को बनाया था निशाना

भुक्तभोगी के अनुसार चोरी की यह घटना पहली बार नहीं हुई है इसके तीन वर्ष पूर्व भी चोरों ने छत के सहारे घर में घुस चोरी की वारदात को अंजाम दिए थे।दूसरी बार चोरी की इस घटना से जहां ग्रामीणों में रोष का माहौल व्याप्त है तो वही भुक्तभोगी धनशीला पत्नी शैलचंद कोतवाली पहुंच अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग को उठाई।

अजय कुमार का लेखन एक वृहत सांस्कृतिक आंदोलन है : हिंदी भवन में राग जौनपुरी पर हुई विचार गोष्ठी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कवि, लेखक, चित्रकार और अनुवादक अजय कुमार की स्मृति दिवस पर हिंदी भवन में राग जौनपुरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी भवन और जन संस्कृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में दो सत्रों में साहित्यिक चर्चा, परिचर्चा और कवि सम्मेलन-मुशायरे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के पहले सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रो. अवधेश प्रधान ने कहा कि अजय कुमार ने पूरे जीवन जौनपुर को पढ़ा और लिखा। उनकी पुस्तक राग जौनपुरी केवल एक किताब नहीं बल्कि जनता के इतिहास का दस्तावेज है। इसमें जनजीवन, जनकला, संगीत और लोक साहित्य का समावेश है। उन्होंने कहा कि अजय कुमार का पूरा लेखन एक वृहत सांस्कृतिक आंदोलन है, जिसने हिंदी और उर्दू को साथ लाने का काम किया। वरिष्ठ पत्रकार और अनुवादक प्रभात कुमार ने कहा कि राग जौनपुरी शहर पर लिखी अन्य पुस्तकों से अलग है,क्योंकि इसमें आम लोगों की नजर से शहर और उसकी संस्कृति को समझने का प्रयास किया गया है। उन्होंने पुस्तक में लोकसंगीत के पक्ष को महत्वपूर्ण बताया।

वाराणसी से आए लेखक एवं ट्रेड यूनियन नेता वीके सिंह ने अजय कुमार को सूफी विचारधारा वाला व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन और लेखन के माध्यम से साधारण लोगों की अहमियत को सामने रखा। वरिष्ठ शायर अहमद निसार ने कहा कि राग जौनपुरी में कई सदियों की कहानी समाहित है।

वहीं आईपीएस अधिकारी एवं सिराजे दिल जौनपुर के लेखक अमित श्रीवास्तव ने जौनपुर की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत पर चर्चा करते हुए कहा कि अजय कुमार के लेखन में जौनपुर की आम भाषा और उसकी रंगीन सादगी दिखाई देती है। दिल्ली से ऑनलाइन जुड़ीं इतिहासकार कनिका सिंह ने कहा कि राग जौनपुरी आकस्मिक इतिहास और लोकप्रिय इतिहास लेखन का सुंदर मेल है। इसमें तथ्य, आलोचनात्मक दृष्टि और लोकतांत्रिक सोच दिखाई देती है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रणय कृष्ण ने अजय कुमार की तुलना एक ऐसे वृक्ष से की, जिसने जौनपुर की संस्कृति के फलों को संजोने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में इतिहास दृष्टि के साथ भविष्य की सोच भी दिखाई देती है। बीएचयू के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने भी अजय कुमार से जुड़ी स्मृतियां साझा कीं। जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि कौशल किशोर ने कहा कि राग जौनपुरी जौनपुर की साझी संस्कृति और एकता का जीवंत दस्तावेज है। युवा कवि-आलोचक आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इस पुस्तक में जौनपुर का इतिहास, कला, संस्कृति, संगीत, साहित्य, शिक्षा और सामाजिक विरासत समाहित है। कार्यक्रम का संचालन समकालीन जनमत के संपादक केके पांडेय ने किया।

दूसरे सत्र में लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी सहित विभिन्न स्थानों से आए कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कवि सम्मेलन एवं मुशायरे में कौशल किशोर, अहमद निसार, इबरत मछलीशहरी, धीरेन्द्र पटेल, रूपम मिश्र, प्रतिमा मौर्य, अहमद हफीज, आलम गाजीपुरी, विभा तिवारी, अजय विक्रम सिंह, आरपी सोनकर, असीम मछलीशहरी, मोनिस जौनपुरी, प्रमोद वाचस्पति, रामजीत मिश्र, प्रतीक मिश्र और अमृत प्रकाश सहित कई साहित्यकारों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि धीरेन्द्र पटेल ने किया।

मंत्री संतोष कुमार सुमन ने वीवो एक्सपीरियंस सेंटर का किया उद्घाटन

पटना : वीवो इंडिया ने बिहार में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए बोरिंग कैनाल रोड, पटना में अपना नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया। 1014 वर्ग फुट में फैला यह सेंटर वीवो के वैश्विक रिटेल मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जहाँ ग्राहकों को आधुनिक, प्रीमियम और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव मिलेगा। इस एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने किया। इस अवसर पर वीवो इंडिया के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर नागसे अदम, वीवो इंडिया (ब्रांड रिटेल) के सेल्स ऑपरेशन्स हेड प्रमोद कुमार पाल सहित वीवो इंडिया के रिटेल पार्टनर्स मौजूद रहे। इस सेंटर में ग्राहकों के लिए इंटरैक्टिव एक्सपीरियंस जोन बनाए गए हैं, जहाँ वे वीवो के नवीनतम स्मार्टफोन्स और कनेक्टेड इकोसिस्टम उत्पादों का अनुभव कर सकते हैं। साथ ही, वीवो के प्रीमियम स्मार्टफोन्स से खींची गई शानदार तस्वीरों की एक विशेष फोटोग्राफी गैलरी भी प्रदर्शित की गई है, जो ब्रांड की कैमरा तकनीक और इमेजिंग क्षमताओं को दर्शाती है। वीवो ने इस अवसर पर भारत में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने तथा ग्राहकों को वैश्विक स्तर का अनुभव उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर अब ग्राहकों के लिए खुल चुका है, जहाँ उन्हें व्यक्तिगत उत्पाद परामर्श, हैंड्स-ऑन डेमो और विश्वस्तरीय रिटेल अनुभव प्राप्त होगा।

लोजपा (रामविलास) ने यूपी में बढ़ाई सक्रियता, पंडित-पासी-पासवान नारे से नए सामाजिक समीकरण का दावा

मो. जावेद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। जौनपुर के महराजगंज थाना क्षेत्र स्थित अमरनाथ द्विवेदी बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने पर्यावरण संरक्षण के साथ आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति भी साझा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं लोजपा (रामविलास) के प्रधान महासचिव व पूर्वांचल उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता विकास पांडेय ने पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी है।

इस दौरान पार्टी नेताओं ने उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने

और आगामी चुनावों में पूरी ताकत के साथ उतरने का दावा किया। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी प्रदेश में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। कार्यक्रम में नेताओं ने पार्टी के नारे ह्लगूंजे धरती आसमान, पंडित पासी पासवानह्व का जिक्र करते हुए कहा कि लोजपा (रामविलास) सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की नीति पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी में ब्राह्मण सहित सभी समाजों को सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अमित कुमार दुबे, कृष्णा चंद्र तिवारी, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष ममता सिंह, प्रवक्ता सनी कुमार यादव, योगेश वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक एवं पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. रमेश गुप्ता का जन्मदिवस सम्मानपूर्वक संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। डॉ रमेश गुप्ता जन्मदिवस समारोह उनके निवास स्थान हर्षौल्लास और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान केक काटा गया तथा डॉ. रमेश गुप्ता को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। इस समारोह में प्रमुख रूप से समाजसेवी डॉ. जीतेन्द्र पवार (सुधांशु हॉस्पिटल डायरेक्टर),डॉ. प्रांजलि जुवेकर,डॉ. अनिल चाडक, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), डॉ गणेश जायसवाल, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ.गिरी, डॉ. अशोक नरोड़ा, डॉ जंगबहादुर, डॉ.संजय शुक्ला, डॉ.धनश्री शर्मा,डॉ. अनिल यादव एवं , डॉ. शर्मिला जैन उपस्थित रहे। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ.रमेश गुप्ता के सामाजिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

हरियाली का महायज्ञ: जब काशी ने भविष्य की सांसें धरती को सौंप दीं

-सुरेश गांधी

वाराणसी। रविवार को काशी ने केवल पौधे नहीं लगाए, बल्कि आने वाले कल की सांसों को धरती की गोद में सौंप दिया। सावन की हरियाली के बीच जब हजारों हाथ एक साथ मिट्टी से जुड़े, तो यह दृश्य किसी सरकारी औपचारिकता का नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सामूहिक आस्था के महायज्ञ का प्रतीत हुआ। वृक्षारोपण महाभियान ने यह संदेश दिया कि यदि विकास को स्थायी बनाना है तो उसकी जड़ें मिट्टी में और उसकी शाखाएं हरियाली में ही तलाशनी होंगी।

इस हरित संकल्प के केंद्र में रहे प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल। उन्होंने वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित लोगों को सम्मानित कर यह स्पष्ट कर दिया कि पेड़ लगाने वाले हाथ ही वास्तव में भविष्य गढ़ते हैं। इसके बाद उनके नेतृत्व में सेंट्रल जेल रोड के पीछे लगभग पांच हजार छायादार, फलदार और औषधीय पौधों का रोपण हुआ। यह केवल संख्या का विस्तार नहीं था, बल्कि उस हरित सोच का विस्तार था, जिसकी सबसे अधिक आवश्यकता आज बदलते मौसम और बढ़ते प्रदूषण के दौर में महसूस की जा रही है।

मंत्री रविन्द्र जायसवाल का संदेश पूरे अभियान का सबसे प्रभावशाली स्वर बनकर उभरा। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।ह यह कथन केवल भाषण का हिस्सा नहीं था, बल्कि उस चेतावनी का भी संकेत था कि यदि आज पेड़ों को नहीं बचाया गया,

तो कल जीवन का संतुलन बचाना कठिन हो जाएगा। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाने और उसे परिवार के सदस्य की तरह संरक्षित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने वाले प्रकृति प्रेमियों और सामाजिक कार्यकताओं का सम्मान भी किया गया। यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि उस सोच का था जो बिना किसी अपेक्षा के धरती को हरा-भरा बनाने में जुटी है। सम्मान समारोह ने यह संदेश दिया कि समाज में परिवर्तन केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि ऐसे समर्पित लोगों की प्रेरणा से भी आता है। एमएलसी धर्मेंद्र सिंह ने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की बढ़ती चुनौती का उल्लेख करते हुए कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखे जाएं। उन्होंने युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उधर, वृक्षारोपण का यह संकल्प केवल एक मंच तक सीमित नहीं रहा। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अपने सरकारी आवास पर बेटियों के साथ पौधारोपण कर यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण की शुरूआत परिवार से होती है। जब बच्चे अपने हाथों से पौधा लगाते हैं, तब वे केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का संस्कार भी रोपते हैं। न्यायपालिका भी इस महाभियान में पीछे नहीं रही। जनपद न्यायाधीश संजीव शुक्ला ने दीवानी न्यायालय परिसर में एक पेड़ मां के नामह अभियान के तहत पौधारोपण करते हुए जल संरक्षण को वृक्ष संरक्षण का अनिवार्य साथी बताया। उन्होंने घरों में जल बचाने के छोटे-छोटे उपायों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि प्रकृति की रक्षा केवल पेड़ लगाने से नहीं, बल्कि जल बचाने की संस्कृति विकसित करने से भी होगी।

इसी कड़ी में पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने अस्पताल परिसरों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण कर नागरिकों से आह्वान किया कि हर पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षण देना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है। रविवार का यह हरित अभियान एक और कारण से विशेष रहा। यहां प्रशासन, न्यायपालिका, जनप्रतिनिधि, वन विभाग, स्वयंसेवी संस्थाएं, पर्यावरणविद् और आम नागरिक किसी अलग-अलग पहचान के साथ नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रहरी बनकर एक मंच पर दिखाई दिए। यही इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

कुश्ती में रजत पदक जीतकर सौरभ यादव ने बढ़ाया जनपद का गौरव: ज्ञान प्रकाश सिंह

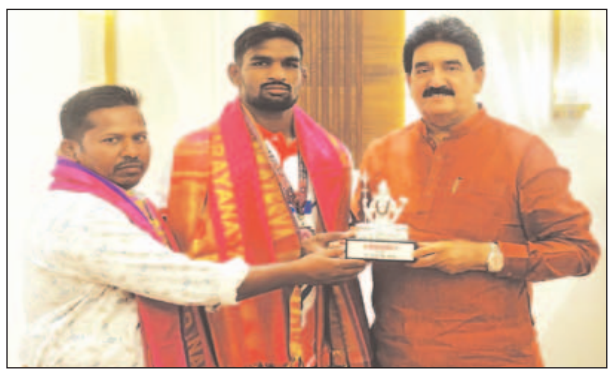

जौनपुर। थाईलैंड में आयोजित जूनियर एशियाड कुश्ती चैंपियनशिप (अंडर 20) में रजत पदक जीतकर गजना, धमार्पुर के युवा पहलवान सौरभ यादव ने ना सिर्फ जनपद का गौरव बढ़ाया अपितु देश का नाम रोशन किया है। गोधना स्थित अपने आवास कैलाशपति पर सौरभ यादव और उनके कोच अशोक सोनकर का सम्मान करने के बाद जनपद के प्रख्यात समाजसेवी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने कबीरुद्दीनपुर स्थित ज्ञान कुश्ती केंद्र के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु मैट उपलब्ध कराया था, तब खिलाड़ियों से एक ही संकल्प लिया था कि वे अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर जनपद जौनपुर का नाम देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में रोशन करेंगे।सौरभ यादव की इस उपलब्धि ने उनके उस विश्वास और संकल्प को साकार किया है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि सौरभ यादव की यह ऐतिहासिक उपलब्धि जनपद जौनपुर के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास निश्चित ही नई पीढ़ी को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के चुनाव: 26 जुलाई को होगा मतदान

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर श्री अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव 26 जुलाई को होंगे। समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल ने कार्यकारिणी बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समाजसेवी गोपालदास अग्रवाल को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। उनके सहयोगी चुनाव अधिकारी के रूप मनीष खजांची को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर होंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी अग्रवाल ने बताया कि इस बार चुनाव में अध्यक्ष के 1 पद, उपाध्यक्ष के 2 पदों (एक महिला सहित), महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयोजक सहमंत्री एवं सहसंयोजक के 1-1 पद सहित 8 पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के 13 पदों (3 महिलाओं सहित) यानी कुल 21 पदों के लिए चुनावी प्रक्रिया होगी। यह सूची केंद्रीय समिति के साथ ही अन्य निर्धारित स्थानों पर शाम 4 से 7 बजे तक उपलब्ध संरक्षक, संस्थागत, आजीवन एवं वार्षिक सदस्य मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। परिणाम भी 26 को ही रहेगी।

खेल युवाओं को नशे से दूर रखने का सशक्त माध्यम : रोहित

रोहडू। युवाओं को शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों से जोड़ना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हैं, बल्कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का भी सशक्त माध्यम हैं। यह बात शिक्षा मंत्री शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने जुब्बल की कठासु पंचायत के बटाड़ गांव में नवयुवक मंडल स्टेटा ब्रदर्स बटाड़ की ओर से आयोजित वॉलीबाल टूनार्मेंट के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय कर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। रोहित ने कहा कि वॉलीबाल पर्वतीय क्षेत्रों का लोकप्रिय खेल है। खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 से बढ़ाकर 220 रुपये कर दी है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की भी व्यवस्था की है।

शिक्षा मंत्री ने ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय जुब्बल को सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यहां वॉलीबाल सहित आठ खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खेल छात्रावास के बेहतर संचालन के लिए मंत्रिमंडल ने 32 नए पदों को स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है। कठासु पंचायत में 50 लाख से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है, जबकि विधानसभा क्षेत्र में 181 नई सड़कों के निर्माण को स्वीकृति दी गई है अथवा उनका निर्माण किया गया है। 18.37 करोड़ से भगोली-बरथाटा सड़क का स्तरोन्नयन कार्य करीब 95 प्रतिशत हो चुका है।

हेलीकॉप्टर छोड़ ट्रेन से जौनपुर पहुंचेंगी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, दीक्षांत समारोह को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद

27 जुलाई को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल, रेलवे स्टेशन से लेकर कार्यक्रम स्थल तक बढ़ाई गई निगरानी

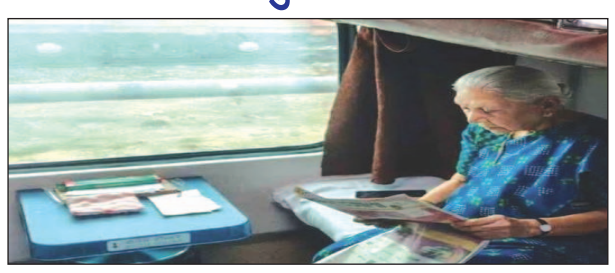

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल 27 जुलाई को जौनपुर दौरे पर रेल मार्ग से पहुंचेंगी। राज्यपाल इस दौरान पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान करेंगी। राज्यपाल के रेल यात्रा कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। रेलवे पुलिस मुख्यालय और पुलिस अधीक्षक रेलवे, प्रयागराज की ओर से विशेष सुरक्षा निर्देश जारी किए गए हैं। कानपुर, प्रयागराज और जौनपुर जीआरपी को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्यपाल के आगमन को देखते हुए रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, रेल मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में सघन निगरानी रखी जाएगी। जीआरपी, आरपीएफ और जिला पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। वहीं जिला प्रशासन और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। रेलवे स्टेशन परिसर से लेकर विश्वविद्यालय परिसर तक सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा लगातार व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है, ताकि राज्यपाल का दौरा पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

डॉ. अरुण प्रकाश मिश्र की दो पुस्तकों का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

मुंबई। आर के पब्लिकेशन तथा नवकुम्भ साहित्य सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई मराठी पत्रकार संघ के सभागार में डॉ अरुण प्रकाश मिश्र 'अनुरागी' द्वारा लिखित नाटक 'हैलो कामिनी' एंव 'हुस्न का जादू ' गीत संग्रह का विमोचन एंव काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि यशपाल सिंह 'यश' ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में लेखक एवं अभिनेता अरुण शेखर, एसआईईएस महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश पाठक तथा विशेष अतिथि के रूप में प्रसिद्ध अभिनेता नंदकिशोर पंत उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने पुस्तक पर वक्तव्य रखते हुए लेखक की लेखनी की सराहना करते हुए गीत संग्रह हुस्न का जादू एवं नाटक हैलो कामिनी को आज के दौर की रचना बताया और लेखक को अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन नरसिंह हैरान ने तथा अतिथियों के प्रति आर के पब्लिकेशन के निदेशक रामकुमार ने आभार ज्ञापन किया। पुस्तक विमोचन पश्चात दूसरे सत्र में विनय शर्मा दीप के संचालन में कविगोष्ठी का शुभारंभ किया गया , जिसमें प्रसिद्ध कवि नंदलाल क्षितिज, शिव दत्त अक्स, रामस्वरूप साहू, रवि यादव, राजीव मिश्र, बीनू त्रिपाठी, लक्ष्मी यादव, नामदार राही, सतेन्द्र मोहन शर्मा(जयपुर), शारदा प्रसाद दुबे अल्हड़ असरदार,सूर्यकांत शुक्ल, राकेश त्रिपाठी,मनोज उरई, त्रिलोचन सिंह अरोरा, सहित प्रमुख कवियों ने भाग लिया। फतेह बहादुर सिंह, ओमप्रकाश तिवारी, राजकुमार प्रसाद, रविन्द्र कुमार शर्मा दीप, आलोक कुमार मौर्य, विनोद चतुवेर्दी, आत्मिक श्रीधर मिश्र, महेंद्र मिश्र, प्रभा शंकर शुक्ल, अश्विनी कुमार दुबे, विनय सिंह विनम्र, पत्रकार मुन्ना यादव मयंक, यशपाल शर्मा, बीनू त्रिपाठी, गीता बिंद्राणी, रामजीत गुप्ता, नामदार राही, गंगाशरण सिंह ,डॉ शारदा प्रसाद दुबे ,सदाशिव चतुवेर्दी मधुर आदि गणमान्य उपस्थित थे।

लॉर्ड्स टेस्ट में यास्तिका भाटिया ने रचा इतिहास, इस मैदान पर शतक लगाने वाली पहली महिला बनीं

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन यास्तिका ने शानदार शतक जड़ते हुए लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनने का गौरव हासिल किया। यह यास्तिका के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला टेस्ट शतक भी है। उन्होंने 145 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें 12 शानदार चौके शामिल रहे। इस यादगार पारी के दम पर उन्होंने लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर्स बोर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया।

तीसरे दिन लंच तक यास्तिका 91 रन बनाकर नाबाद थीं। लंच के बाद उन्होंने किसी भी तरह की घबराहट नहीं दिखाई और इंग्लैंड की तेज गेंदबाज इसी वोंग के खिलाफ लगातार दो चौके जड़ दिए। इसके बाद कवर की दिशा में एक रन लेकर उन्होंने अपना ऐतिहासिक शतक पूरा किया। दिन की शुरूआत में यास्तिका को किस्मत का भी साथ मिला। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल की पहली ही गेंद उनके ऑफ स्टंप से टकराई, लेकिन बेल्स नहीं गिरीं। इस जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए यास्तिका ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया। उन्होंने खासकर सीधे और कवर क्षेत्र में शानदार स्ट्रोक्स खेले। जैसे ही यास्तिका ने अपना शतक पूरा किया, वह भावुक हो गईं। उन्होंने घुटनों के बल बैठकर लॉर्ड्स की ऐतिहासिक पिच को चूमा। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। यह पल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए भी बेहद खास बन गया। बारोडा की रहने वाली यास्तिका भाटिया ने कुछ समय पहले गंभीर एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) चोट का सामना किया था। इस चोट के कारण वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहीं। इंग्लैंड दौरे पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के बाद उन्होंने सीधे लॉर्ड्स में ऐतिहासिक शतक लगाकर अपनी शानदार वापसी का ऐलान कर दिया।

महावृक्षारोपण में बलरामपुर की बड़ी उपलब्धि, लक्ष्य के मुकाबले 64 लाख से अधिक पौधों का रोपण

-नानबाबू चौहान

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जनपद बलरामपुर में सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के नेतृत्व में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान-2026 का सफल आयोजन किया गया। वन विभाग सहित 26 विभागों के समन्वित प्रयासों से आयोजित इस अभियान में जनपद को 47,66,100 पौधों के रोपण का लक्ष्य दिया गया था, जबकि अभियान के दौरान 64,00,233 पौधों (135 प्रतिशत उपलब्धता) की व्यवस्था सुनिश्चित कर लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई।

प्रदेशव्यापी अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जैव विविधता का संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करना है। इस वर्ष अभियान का मुख्य संदेश उठो, बढ़ो, हाथ मिलाओ झ माँ के नाम पेड़ लगाओ तथा एक पेड़ माँ के नाम रहा। अभियान के तहत पीपल, बरगद, पाकड़, आम, सागौन, फलदार, औषधीय, शोभाकार तथा अन्य स्थानीय प्रजातियों के पौधों का व्यापक स्तर पर रोपण किया गया। जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत सिसई स्थित राप्ती नदी तट पर आयोजित हुआ, जहाँ लगभग 1100 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कुमकुम धर, अध्यक्ष, बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ रहीं, जबकि नोडल अधिकारी के रूप में कुमार प्रशांत, सचिव, राज्य सूचना आयोग, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदर विधायक पल्टूराम, सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री आरती तिवारी, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, प्रभागीय वनाधिकारी गौरव गर्ग, सशस्त्र सीमा बल के डिप्टी कमांडेंट, उप प्रभागीय वनाधिकारी तुलसीपुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में एसएसबी के जवानों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधरोपण किया।

किन्नौर में पहाड़ से गिरी भारी भरकम चट्टाने, नेशनल हाईवे पांच ठप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित रल्ली के समीप लाल ढांक की पहाड़ियों से भारी भरकम चट्टान गिरी हैं। भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग पांच अवरुद्ध हो गया है। यातायात ठप होने से दोनों जाम लगा गया है। भूस्खलन की यह घटना रविवार शाम 5 बजे हुई। प्रशासन हाईवे को बहाल करने में जुटा हुआ है। 12 जुलाई को शिमला शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली कार्ट रोड पर यातायात कई घंटों तक ठप रहा। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के पास मलबा और एक पेड़ गिरने से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई थी। यह घटना रविवार सुबह हुई, जिसके बाद जिला प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने भारी मशीनरी की मदद से सड़क साफ करने का काम शुरू किया। इस महत्वपूर्ण मार्ग के दोनों कैरिजवे पर वाहन फंसे रहे। वाहनों को कुछ समय के लिए शिमला बाईपास से वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा गया। हालांकि, बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी थीं और रविवार के यातायात के कारण वैकल्पिक मार्ग पर भी भारी भीड़ हो गई। इससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। कार्ट रोड पर यातायात ठप होने से शहर के विभिन्न हिस्सों में आवागमन प्रभावित हुआ। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से अधिक समय लगा। स्थानीय निवासियों और पर्यटकों दोनों को परेशानी हुई। प्रशासन ने लोगों से धैर्य रखने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की।

हिमाचल प्रदेश में मानसून का प्रभाव अगले कुछ दिनों तक बना रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी ताजा पूवार्नुमान के अनुसार, 12 से 16 जुलाई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हालांकि, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा और चंबा जैसे जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग ने विशेष रूप से 12 जुलाई को प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

सेना ने तेहरान का दावा किया खारिज, कहा- जहाजों की आवाजाही निर्बाध जारी

दुनिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के दावों को खारिज करते हुए साफ किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से खुला है और वहां से जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान में सेंटकॉम ने कहा,'होर्मुज जलडमरूमध्य उन सभी जहाजों के लिए खुला है जो कानूनी रूप से इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से गुजरना चाहते हैं। ईरान की अकारण आक्रामकता, उत्पीड़न, धमकियों और मनमाने बयानों के बावजूद, अमेरिकी सेना नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए तैनात और पूरी तरह तैयार है। ईरान का इस जलडमरूमध्य पर कोई नियंत्रण नहीं है। यातायात सुचारू रूप से चल रहा है'।

न्यायिक परिसर में गूंजा हरियाली का संदेश

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ वृहद वृक्षारोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद न्यायालय परिसर में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों के आवासीय परिसर, दीवानी न्यायालय परिसर एवं एडीआर भवन परिसर में पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के तत्वावधान में वन विभाग के सहयोग से किया गया। सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में न्यायिक अधिकारियों ने पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि ने कहा कि पेड़ों की लगातार कटाई से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है और शुद्ध वायु की कमी बढ़ रही है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। पेड़-पौधों के संरक्षण से ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि लोग अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिल कुमार यादव, रणजीत कुमार, उमेश कुमार, राजेश कुमार मिश्रा, पशुपति नाथ मिश्रा, रूपाली सक्सेना, सुरेंद्र प्रताप यादव, बी. नारायणन, प्रशांत कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्वेता यादव सहित अन्य न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बांग्लादेश में प्रकृति का कहर: एक हफ्ते में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 44 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में पिछले एक सप्ताह में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 44 लोगों की मौत हो गई है। बांग्लादेश के आपदा प्रबंधन मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि बाढ़ से लगभग 2.67 लाख परिवार प्रभावित हुए हैं। वहीं, रात भर हुई भारी बारिश से राजधानी ढाका के कुछ हिस्से जलमग्न हो गए, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सेना, नौसेना और वायु सेना स्थानीय एजेंसियों के साथ प्रभावित जिलों में राहत कार्य चला रही है। भारी जान-माल का नुकसानः आपदा प्रबंधन मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 5 जुलाई से अब तक 44 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से कई लोगों की मौत भूस्खलन के कारण हुई, जबकि बाकी लोग बाढ़ और उफनती नदियों में बह गए या डूब गए। लाखों लोग प्रभावितः अनुमान

के मुताबिक, लगभग 2,67,918 परिवार इस बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। प्रभावित इलाकों (ज्यादातर उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों) में करीब 44,457 लोगों ने 1,100 से अधिक अस्थायी राहत शिविरों में शरण ली है। रोहिंग्या कैंप में हादसाः इससे पहले 8 जुलाई को दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में स्थित दुनिया के सबसे बड़े रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में बड़ा भूस्खलन हुआ था, जिसमें 7 रोहिंग्या बच्चों और उनके एक शिक्षक की मौत हो गई थी। शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने राजधानी ढाका और प्रमुख बंदरगाह शहर चटगांव का बुरा हाल कर दिया है। ढाका में रात 12 बजे से सुबह छह बजे के बीच ही 76 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस भारी बारिश के कारण शहर का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया और सड़कें तालाब बन गईं। सड़कों पर गाड़ियां बंद हो गईं या फंसी रहीं, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। ढाका के मीरपुर इलाके की रहने वाली नसरीन अहमद ने बताया, 'रातभर हुई बारिश से मेरे घर का अहाता और आस-पास की सड़कें पूरी तरह डूब गई हैं'। बाढ़ प्रभावित मौलवीबाजार (उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश) के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कई स्वास्थ्य केंद्र पानी में डूब चुके हैं, जिससे मरीजों का इलाज करना नामुमकिन हो गया है। 'कई लोगों ने अपने डूब चुके घरों की छतों पर शरण ले रखी है, तो कई लोग बारिश के बीच प्लास्टिक की शीट तानकर सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। घरों में पानी भरने के कारण लोग खाना तक नहीं बना पा रहे हैं'। बांग्लादेश के 'बाढ़ पूवार्नुमान और चेतावनी केंद्र' के मुताबिक, ब्रह्मपुत्र बेसिन के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी जिलों में बाढ़ का खतरा और बढ़ सकता है।